सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

छोटे बच्चों को चाय और कॉफी देना कितना सही है पेज: 7

प्रियंका चोपड़ा ने बहन मीरा चोपड़ा की डेयू प्रोड शन फिल्म गांधी पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 286 | रविवार 25 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'वीबी-जी राम जी' अधिनियम पर चंद्रबाबू नायडू के चिंता जताने संबंधी खबरें महत्वपूर्ण हैं: सिद्धारमैया

कर्नाटक एजेंसी: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा वीबी-जी राम जी अधिनियम के वित्तपोषण संरचना पर चिंता जताने की खबरें राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं और केंद्र-राज्य संबंधों पर इसके प्रभाव पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये चिंताएं इसलिए महत्वपूर्ण हो गईं क्योंकि ये भाजपा के एक प्रमुख सहयोगी दल की ओर से आई हैं, जिसका समर्थन नरेन्द्र मोदी सरकार के लिए बेहद जरूरी है। नायडू ने नये ग्रामीण रोजगार कानून को लागू करने के लिए राज्य के वास्ते सहायता मांगी शीर्षक वाले एक समाचार लेख को साझा करते हुए सिद्धरमैया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वीबी-जी राम जी अधिनियम को निरस्त किया जाना चाहिए और मनरेगा अधिनियम को आवश्यक सुधारों के साथ बहाल किया जाना चाहिए।

'अब हर गांव तक पहुंचा विकास', यूपी दिवस पर बोले अमित शाह- बीजेपी सरकार ने बदली प्रदेश की तकदीर

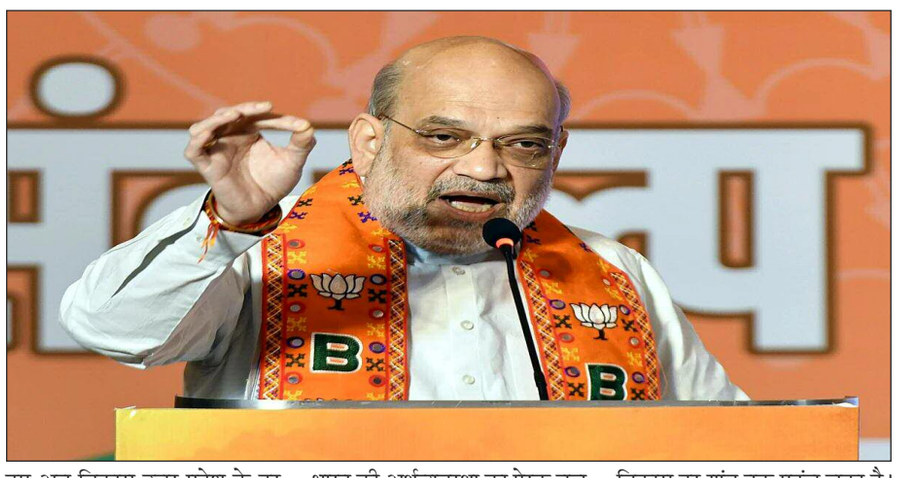

जबकि भाजपा सरकार ने इसे एक प्रगतिशील राज्य में...

उत्तर प्रदेश दिवस पर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने यूपी को 'बीमार' राज्य बना दिया था, जबकि भाजपा सरकार ने इसे एक प्रगतिशील राज्य में बदल दिया है जहाँ विकास हर गाँव तक पहुँच चुका है। उन्होंने 2047 तक उत्तर प्रदेश को पूर्ण विकसित राज्य बनाने का लक्ष्य भी रखा।

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (एसपी) और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) समेत विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर अपने शासनकाल में उत्तर प्रदेश को "बीमार" राज्य बनाने का आरोप लगाया। वहीं उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने इसे एक प्रगतिशील राज्य में बदल दिया है। लखनऊ में उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर बोलते हुए शाह ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हासिल विकास की व्यापकता पर प्रकाश डाला और कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य ने अभूतपूर्व प्रगति देखी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दशकों से चली आ रही गतिरोध और उपेक्षा को उलटते हुए अब विकास उत्तर प्रदेश के हर गांव तक पहुंच चुका है। शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय था जब उत्तर प्रदेश को श्रम का स्रोत माना जाता था। आज यह भारत की अर्थव्यवस्था का प्रेरक बल बन गया है। कांग्रेस, सपा और बसपा ने इसे 'बीमार' राज्य बना दिया था। भाजपा सरकार ने इसे एक प्रगतिशील राज्य में बदल दिया है और अब विकास हर गांव तक पहुंच चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री ने 15 अगस्त 2047 तक उत्तर प्रदेश को पूर्ण विकसित राज्य में बदलने की उम्मीद भी जताई, जब देश अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा। अमित शाह ने कहा कि 15 अगस्त 2047 को, जब देश अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा, उत्तर प्रदेश एक पूर्ण विकसित राज्य होगा और विकसित भारत का अभिन्न अंग होगा। उत्तर प्रदेश भारत का दिल और आत्मा है। उत्तर प्रदेश भारत का विकास इंजन बन रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान, शाह ने अंतरिक्ष यात्री और भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला को नवाचार और अंतरिक्ष अन्वेषण में उनके योगदान के लिए 'उत्तर प्रदेश गौरव' सम्मान से सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक सहित कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। उत्तर प्रदेश दिवस प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है, जो 1950 में संयुक्त प्रांत का नाम बदलकर उत्तर प्रदेश रखे जाने की स्मृति में मनाया जाता है, जो भारतीय संविधान को अपनाने से दो दिन पहले हुआ था। तब से, राज्य ने भारत के राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तर प्रदेश ने भारत के औद्योगिक विकास में भी योगदान दिया है, जिसमें कानपुर एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरा है। नवंबर 2000 में, उत्तराखंड नामक पहाड़ी राज्य को उत्तर प्रदेश से अलग करके बनाया गया, जिससे इस क्षेत्र के प्रशासनिक परिदृश्य में और भी बदलाव आया।

मुंबई का मेयर कौन? बीजेपी-शिंदे कैंप में भारी कन्फ्यूजन, बीएमसी के चुनाव पर सस्पेंस गहराया

मुंबई एजेंसी: मुंबई में होने वाले मेयर चुनाव में आखिरी समय में देरी हो गई है। 31 जनवरी के बजाय अब ये चुनाव फरवरी की शुरूआत में होंगे, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को समूह पंजीकरण में आ रही दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस अड़चन से बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के नेतृत्व की दौड़ भी रुक गई है, जिससे भारत के सबसे धनी नगर निकाय में सत्ता-साझाकरण को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। महापौर पद के लिए आरक्षण घोषित होने के बाद, बीएमसी ने 31 जनवरी को मतदान की तैयारी शुरू कर दी थी। हालांकि, प्रक्रिया में एक बाधा आ गईः भाजपा और शिंदे शिवसेना के पार्षदों ने अपने समूह पंजीकरण को अंतिम रूप नहीं दिया, जिससे चुनावी औपचारिकताएं रुक गईं। जब तक सभी गुट नगर सचिव के कार्यालय में प्रमाण पत्र जमा नहीं कर देते, तब तक महापौर चुनाव आगे नहीं बढ़ सकता। उद्धव की शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस - जिनके संयुक्त रूप से 65 पार्षद हैं - ने तेजी से पंजीकरण पूरा कर लिया, जिससे वे प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकल गए। सूत्रों के मुताबिक, अब चुनाव फरवरी के पहले सप्ताह में होने की संभावना है, जिससे कागजी कार्रवाई के लिए समय मिल जाएगा। भाजपा और शिंदे सेना के बीच अनिश्चितता का माहौल बना हुआ हैः क्या वे संयुक्त गठबंधन बनाएंगे या अलग-अलग? इस फैसले से 227 सदस्यीय विधानसभा में महापौर पद पर नियंत्रण बदल सकता है। इस देरी से महाराष्ट्र की नगर निगम चुनावों के बाद की खंडित राजनीति की झलक मिलती है, जहां गठबंधन समयसीमा से भी तेजी से बदलते हैं। भाजपा-शिव सेना (शिंदे) वर्चस्व की तलाश में हैं, लेकिन प्रक्रियात्मक अड़चनें समन्वय की समस्याओं को उजागर करती हैं। 60,000 करोड़ रुपये के बजट से लैस बीएमसी, हर देरी के महत्व को और बढ़ा देती है। यूबीटी-एमएनएस गुट की तत्परता प्रतिद्वंद्वियों की अव्यवस्था के विपरीत है, जिससे अंतिम समय में बैठकें होने की संभावना है। फरवरी नजदीक आने के साथ ही मुंबई की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि महापौर का पद किसके हाथ में आता है।

उत्तर प्रदेश का गौरव! अंतरिक्ष यात्री शुभांशु से लेकर यूट्यूबर अलख पांडे को अमित शाह ने किया सम्मानित

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली कई प्रतिष्ठित हस्तियों को 'उत्तर प्रदेश गौरव पुरस्कार' से सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर आयोजित इस सम्मान समारोह में ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री सुभानशु शुक्ला, शैक्षिक यूट्यूबर अलख पांडे, लक्ष्मी आर्य और कृषि वैज्ञानिक सुधानशु सिंह सहित कई अन्य सम्मानित व्यक्तियों को पुरस्कार से नवाजा गया। ग्रुप कैप्टन सुभानशु शुक्ला ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम विशेष था क्योंकि इसमें विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को आमंत्रित किया गया और सम्मानित किया गया। शुभांशु शुक्ला ने पत्रकारों से कहा कि मेरी ओर से हार्दिक बधाई। मैं स्वयं लखनऊ से हूँ और यहाँ वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है, ऐसा लग रहा है जैसे घर लौट आया हूँ। लेकिन आज का कार्यक्रम मेरे लिए विशेष था क्योंकि इसमें विभिन्न क्षेत्रों और विधाओं के लोगों को आमंत्रित किया गया और सम्मानित किया गया। मुझे लगता है कि इसे देखकर बच्चों को प्रोत्साहन मिलता है। इस बीच, शिक्षा से जुड़े यूट्यूबर अलख पांडे ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद भावुक कर देने वाला है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने छात्रों को दिया और कहा कि अगर उनका प्यार और समर्थन खत्म हो जाए तो इस तरह का सम्मान उनके लिए कोई मायने नहीं रखेगा। अलख पांडे ने एएनआई को बताया कि हाँ, बहुत अच्छा लग रहा है, इस स्तर पर सम्मान पाना एक अद्भुत एहसास है। शुरूआत से लेकर अब तक, एक चीज जो हमेशा मेरे साथ रही है, वह है बच्चों का प्यार। समय के साथ लोग बदल गए, लेकिन आज भी मैं जो कुछ भी हूँ, वह बच्चों की वजह से ही हूँ। मैं आज जिस मुकाम पर खड़ा हूँ और आप मुझसे जो सवाल पूछ रहे हैं, वह सब बच्चों की वजह से ही है। शुरूआत से लेकर अब तक, सब कुछ उनके प्यार की वजह से ही अच्छा रहा है। जिस दिन यह प्यार खत्म हो जाएगा, कोई भी पुरस्कार मेरे लिए मायने नहीं रखेगा। शिक्षा और नवाचार में उनके योगदान के लिए सम्मानित लक्ष्मी आर्य ने इस सम्मान पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने एएनआई को बताया, "केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा मुझे इस पुरस्कार से सम्मानित करना मेरे लिए गर्व की बात है।" कृषि वैज्ञानिक सुधांशु सिंह ने भी इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए

प्रयागराज विवाद पर मायावती की सियासी एंट्री, योगी सरकार को दी बड़ी चेतावनी

प्रयागराज एजेंसी: उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को धर्म और राजनीति को अलग रखने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि इनके बढ़ते दखल से विवाद, तनाव और सामाजिक अशांति पैदा हो रही है। उनकी ये टिप्पणी प्रयागराज में माघ मेले को लेकर चल रहे विवाद और शंकराचार्य को संगम में स्नान करने से रोके जाने के आरोपों के बीच आई है। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर एक पोस्ट में मायावती ने कहा कि हाल के वर्षों में न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि पूरे देश में धार्मिक त्योहारों, छुट्टियों, पूजा-पाठ और स्नान समारोहों में राजनीतिक हस्तियों का हस्तक्षेप बढ़ा है। मायावती ने कहा कि यह प्रवृत्ति जनता के बीच नए संघर्षों और चिंताओं को जन्म दे रही है। प्रयागराज स्नान समारोह विवाद को एक ताजा उदाहरण बताते हुए मायावती ने चेतावनी दी कि "संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए धर्म को राजनीति से जोड़ना अंतर्निहित रूप से खतरनाक है। बीएसपी प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि देश का संविधान और कानून स्पष्ट रूप से राजनीति को धर्म से और धर्म को राजनीति से दूर रखने की परिकल्पना करते हैं, जबकि जन कल्याण और जन-केंद्रित शासन को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश दिवस पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं भी दीं। उनकी ये टिप्पणियां माघ मेले के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से कथित रूप से रोके जाने को लेकर चल रही तीखी राजनीतिक बयानबाजी के बीच आई हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इससे पहले भाजपा के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर सनातन धर्म की परंपराओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि संत और ऋषि गौरव का स्रोत हैं और प्रमुख धार्मिक आयोजनों के दौरान उनसे मिलकर आशीर्वाद लेना धार्मिक परंपरा का अभिन्न अंग है। याद ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने अधिकारियों के माध्यम से जानबूझकर संत और ऋषियों का अपमान किया है

सीएम धामी ने होमगार्डस भर्ती घोटाले में डिप्टी कमांडेंट को किया निलंबित, दिए जांच के आदेश

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में वर्दी सामग्री खरीद से जुड़े कथित घोटाले में संलिप्त पाए जाने के आरोप में होमगार्ड के निदेशक (डिप्टी कमांडेंट) अमिताभ श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए मामले की जांच के लिए संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए। सोशल मीडिया पर सरकार द्वारा दी गयी सूचना के अनुसार, श्रीवास्तव के खिलाफ यह कार्रवाई होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा के महानिदेशक द्वारा राज्य सरकार को इस संबंध में भेजी गयी रिपोर्ट के आधार पर की गयी है जिसमें निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता के अभाव और नियमों का उल्लंघन होने की बात सामने आयी है। यह मामला वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान होमगार्ड्स के लिए वर्दी सामग्री की खरीद प्रक्रिया से जुड़ा है, जिसमें निविदा प्रक्रिया में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए। आरोप है कि होमगार्डस के लिए वर्दी तथा अन्य सामान खरीदने के लिए तीन करोड़ रुपये का भुगतान किया गया जबकि उसकी वास्तविक कीमत केवल एक करोड़ रुपये थी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति बिल्कुल न बर्दाश्त करने की नीति पर काम कर रही है और किसी भी स्तर पर अनियमितता या भ्रष्ट आचरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पीएम मोदी के वंशवाद वाले बयान पर द्रमुक का पलटवार, 'देश में बीजेपी नहीं, आरएसएस का शासन है'

नई दिल्ली एजेंसी: द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के नेता सरवनन अन्नादुरई ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव वाले राज्य के दौरे के बाद भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा आरएसएस द्वारा नियंत्रित है, जो उनके अनुसार वंशवाद से भी बदतर है। उन्होंने एनडीए पर तमिलनाडु के साथ विश्वासघात करने का भी आरोप लगाया। चेन्नई में एएनआई से बात करते हुए अन्नादुरई ने कहा, "जब भाजपा की बात आती है, तो वंशवाद ठीक है, लेकिन जब बात विपक्षी पार्टी की आती है, तो वे वंशवाद की बात करने लगते हैं। तमिलनाडु की जनता ने हमें चुना है। हमारे नेता उदयनिधि स्टालिन 2019 से चुनाव प्रचार कर रहे हैं और हमने कभी कोई चुनाव नहीं हारा है। आप जो कर रहे हैं वह वंशवाद से भी बदतर है।" अन्नादुरई ने कहा कि आप आरएसएस द्वारा शासित हैं और पूरी तरह से आरएसएस के इशारों पर चल रहे हैं, जो कुछ उच्च जाति के हिंदुओं द्वारा नियंत्रित है। यह वंशवाद से भी बदतर है। एनडीए केवल तमिलनाडु राज्य के साथ विश्वासघात कर रहा है। एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव वाले तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में ऐसी सरकार है जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों और जवाबदेही का अभाव है। चेंगलपट्टू जिले के मदुरंतकम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि डीएमके सरकार राज्य की जनता के हितों की बजाय एक ही परिवार के हितों की सेवा करती है। डीएमके में तरक्की के अवसर सीमित प्रतीत होते हैं, अक्सर वंशवादी संबंधों वाले या भ्रष्टाचार, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार या हमारी संस्कृति का अपमान करने वालों को ही प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने आगे कहा कि परिणामस्वरूप पार्टी में केवल उन्हीं व्यक्तियों को पदोन्नति मिल रही है जो ऐसे व्यवहारों में शामिल होने को तैयार हैं। तमिलनाडु के लिए इसके गंभीर परिणाम हुए हैं, क्योंकि राज्य इन कार्यों के प्रभावों से पीड़ित है।

केरल सरकार शबरिमला से सोना गायब होने के मामलों में जांच को पंगु करने की कोशिश कर रही : कांग्रेस

कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि केरल सरकार शबरिमला से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे एसआईटी पर दबाव बना रही है ताकि जांच प्रभावित हो सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन के अधीन पुलिस जांच कर रही है। केपीसीसी...

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि केरल सरकार शबरिमला से सोना गायब होने के मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) पर दबाव बना रही है ताकि जांच को ह्यह्यपंगु" किया जा सके। वेणुगोपाल ने कोच्चि में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि सरकार एसआईटी की जांच में कोई प्रगति नहीं होने देने की कोशिश कर रही है। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के संयोजक अदूर प्रकाश की शबरिमला से सोना गायब होने के मामलों के मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी से मुलाकात की तस्वीरों के बारे में संवाददाताओं द्वारा सवाल पूछे जाने पर अलप्पुझा से सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री की भी उसी व्यक्ति के साथ तस्वीरें हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यमामलों की जांच कांग्रेस नहीं कर रही। पिनरायी विजयन के अधीन पुलिस यह काम कर रही है इसलिए जब तस्वीरों की जांच की जाएगी तो वे उसके साथ मुख्यमंत्री की तस्वीर की भी जांच कर सकते हैं।" वेणुगोपाल ने कहा, ह्यह्यखैर, हमारा मजबूत और स्पष्ट रुख यह है कि भगवान अयप्पा का सोना चुराने वालों को न तो देवता बख्शेंगे और न ही केरल के लोग। भगवान सब कुछ देख रहा है।" इस बीच, केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने आरोप लगाया कि एसआईटी गायब सोने की बरामदगी के पहलू पर ध्यान नहीं दे रहा जबकि केरल उच्च न्यायालय ने हाल में इसका निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) सोना गायब के होने के मामलों में शामिल अपने नेताओं को बचा रही है। उन्होंने कहा कि 27 जनवरी को राज्य सचिवालय तथा सभी जिला आयुक्तालयों पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे और मामले में उचित जांच की मांग की जाएगी। प्रकाश की पोट्टी से मुलाकात के बारे में जोसेफ ने कहा कि यूडीएफ संयोजक की कभी ऐसी स्थिति नहीं रही कि वह भगवान अयप्पा के मंदिर से सोने के कथित गबन में शामिल लोगों की मदद कर सकें। उन्होंने कन्नूर में संवाददाताओं से कहा कि प्रकाश की पोट्टी के साथ तस्वीर में कुछ भी गलत नहीं है। केपीसीसी प्रमुख ने कहा कि एसआईटी ने प्रकाश से पूछताछ नहीं की है क्योंकि उनके खिलाफ कुछ भी नहीं मिला जबकि उसने पूर्व देवस्वओम मंत्री के. सुरेंद्रन से पूछताछ की। शबरिमला से सोना गायब होने का मामला मंदिर में द्वारपालक (रक्षक देवता) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के द्वार की चौखट से सोने के कथित गबन से जुड़ा है। मामले की जांच कर रहे एसआईटी ने पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड के दो पूर्व अध्यक्षों समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

संपादकीय

प्रदूषण बनाम टैरिफ

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है। निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण की भयावह स्थिति दुनिया में किसी भी देश की छवि को नुकसान जरूर पहुंचाती है। जिससे निवेशक बेहतर विकल्प की तलाश में अन्य देशों का रुख कर सकते हैं। ऐसे में प्रदूषण के संकट को युद्धस्तर पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकट एक यथार्थ है। यह भी हकीकत है कि देश के नीति-नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते। जब-जब प्रदूषण संकट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है। कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक-प्रतिमान गढ़ती रही हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं।

न्यायपालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

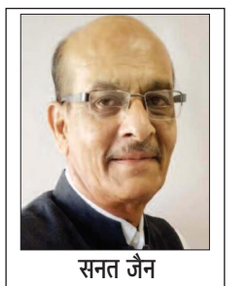
सनत जैन

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आईं हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है। नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब ह्लअमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्यायह्व की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। जिससे आम नागरिकों एवं न्यायविदों के मन में न्याय के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका को सरकार का संरक्षण मिलने और बदले में सरकार के हितों के प्रति नरमी दिखाने के कई फैसलों की चर्चा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ रहा है।

न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। संविधान की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका के ऊपर है। यही लोगों के लिए अंतिम विश्वास के रूप में बना हुआ था जो अब खंडित हो रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका के प्रति कैसे बना रहे? इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है। न्यायाधीशों और न्यायालयों को वास्तविक संरक्षण प्राप्त हो, नियुक्तियों और तबादलों में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। संवेदनशील मामलों में समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गरीब और वंचित वर्ग के लिए त्वरित संवेदनशील न्याय की व्यवस्था मजबूत की जाए। न्यायाधीशों के आचरण में प्रदर्शित हो। न्यायपालिका के फैसलों में स्पष्टता हो। सुप्रीम कोर्ट पूर्व में दिए गए निर्णयों एवं संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए निर्णयों का वर्तमान न्यायाधीश सम्मान करें। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसले दिए जा रहे हैं, वह स्पष्ट हों, फैसला संविधान कानून और नियम के अनुसार किए गए हैं। यह परीलिक्षित हो। न्यायपालिका की ताकत उसकी साख में है। न्यायपालिका की साख कमजोर हुई, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा संकट में पड़ जाएगा।

लोकतंत्र की धड़कन राष्ट्रीय मतदाता दिवस और जागरूक नागरिक की भूमिका

कांतिलाल मांडोत

लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं बल्कि नागरिक चेतना का जीवंत उत्सव है, और इस उत्सव की सबसे मजबूत अभिव्यक्ति मतदान के माध्यम से होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहाँ करोड़ों लोग अपनी आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और सपनों को मतपत्र के जरिए अभिव्यक्त करते हैं, वहाँ मतदाता की भूमिका सर्वोपरि हो जाती है। इसी भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हर वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना की याद दिलाता है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को उसके संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य के प्रति सजग करने का भी अवसर प्रदान करता है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुरूआत वर्ष 2011 में हुई थी। इसके पीछे निर्वाचन आयोग का स्पष्ट उद्देश्य था कि देश के हर पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल किया जाए और मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए। यह संयोग नहीं बल्कि एक सार्थक प्रतीक है कि 25 जनवरी को ही वर्ष 1950 में भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी। तभी से यह दिन लोकतंत्र और चुनावी भागीदारी के उत्सव के रूप में संस्थागत रूप ले चुका है। आज यह आयोजन देश के कोने-कोने में, मतदान केंद्रों से लेकर जिला और राज्य मुख्यालयों तक, लाखों स्थानों पर बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

मतदान एक शक्तिशाली साधन है, जिसके माध्यम से नागरिक शासन प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से भाग लेते हैं। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार ने भारत के लोकतंत्र को एक मजबूत आधार प्रदान किया है। इसके बावजूद यह एक कड़वी सच्चाई है कि आज भी देश के कई हिस्सों में मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहता है। सामाजिक संकोच, राजनीतिक उदासीनता, जानकारी का अभाव और कुछ विशिष्ट परिस्थितियाँ ऐसी हैं जो नागरिकों को मतदान से दूर रखती हैं। यही कारण है कि सहभागी लोकतंत्र की व्यापक प्रक्रिया कहीं-कहीं कमजोर पड़ती नजर आती है।

भारत निर्वाचन आयोग इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए समय-समय पर कई पहल करता रहा है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस और इसके साथ जुड़ा व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं चुनावी भागीदारी कार्यक्रम, जिसे एसडब्ल्यूईईपी के नाम से जाना जाता है, इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम का मूल मंत्र है कोई भी मतदाता पीछे न छूटे। इसके अंतर्गत युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और हाशिए पर मौजूद वर्गों को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने के लिए विशेष रणनीतियाँ अपनाई जाती हैं।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस का मुख्य उद्देश्य मतदाता पंजीकरण को प्रोत्साहित करना, उसे सरल बनाना और अधिकतम करना है, विशेष रूप से नए मतदाताओं के लिए। यह दिन मतदाताओं को समर्पित है और इसका उपयोग चुनावी प्रक्रिया में सूचित और जिम्मेदार भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। नए मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र प्रदान करना, उन्हें मतदान की प्रक्रिया समझाना और उनके भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों का बीजारोपण करना इस दिन की प्रमुख गतिविधियों में शामिल है।

इस अवसर पर मतदाताओं की शपथ की अवधारणा भी विशेष महत्व रखती है। यह शपथ नागरिकों को याद दिलाती है कि लोकतंत्र में उनका विश्वास केवल शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि उनके आचरण में भी परिलक्षित हो। शपथ के माध्यम से मतदाता यह संकल्प लेते हैं कि वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनावों की गरिमा बनाए रखेंगे और धर्म, जाति, समुदाय, भाषा या किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना निर्भीक होकर मतदान करेंगे। यह सामूहिक शपथ नागरिक जिम्मेदारी और नैतिक भागीदारी की भावना को सशक्त करती है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन में जन जागरूकता और सहभागिता पर विशेष बल दिया जाता है। वर्ष 2021 में आयोजित 11वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन कोविड-19 की चुनौती के बीच भौतिक और आभासी कार्यक्रमों के संयोजन के रूप में किया गया। इस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में भाग लिया। उस वर्ष का विषय था अपने मतदाताओं को सशक्त, सतर्क, सुरक्षित और सूचित बनाना,जो महामारी के दौर में सुरक्षित और नैतिक चुनावों की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

डिजिटल युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग ने इस अवसर पर कई अभिनव पहलें भी शुरू कीं। डिजिटल मतदाता पहचान पत्र यानी ई-ईपीआईसी की शुरूआत इसी दिशा में एक क्रांतिकारी कदम था। अब मतदाता अपने मोबाइल फोन या कंप्यूटर के माध्यम से अपना पहचान पत्र डाउनलोड कर सकते हैं या स्वयं प्रिंट कर सकते हैं। वोटर हेल्पलाइन ऐप और राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल जैसी सुविधाओं ने मतदाता सेवाओं को और अधिक सुलभ बना दिया है। इसी क्रम में ह्यरेडियो हेलो वोटर्सह्न जैसी 24 घंटे चलने वाली डिजिटल रेडियो सेवा की शुरूआत भी की गई, जिसका उद्देश्य विभिन्न भाषाओं में गीतों, नाटकों, चचाओं और पॉडकास्ट के माध्यम से मतदाता जागरूकता फैलाना है। यह पहल दशार्ती है कि लोकतांत्रिक शिक्षा अब केवल पुस्तकों या सभाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि आधुनिक संचार माध्यमों के जरिए जन-जन तक पहुँच रही है।राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर उत्कृष्ट चुनावी प्रक्रियाओं के लिए अधिकारियों, सरकारी विभागों और मीडिया संस्थानों को सम्मानित करना भी एक महत्वपूर्ण परंपरा बन चुकी है। इससे न केवल प्रशासनिक तंत्र का मनोबल बढ़ता है, बल्कि चुनावी व्यवस्था में निरंतर सुधार और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है। चुनाव आयुक्तों के अनुसार, इन आयोजनों का एक प्रमुख उद्देश्य नए और युवा मतदाताओं को प्रेरित करना है, ताकि वे स्वयं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा समझें।

वर्ष 2026 में भी राष्ट्रीय मतदाता दिवस उसी उत्साह और उद्देश्य के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन विशेष रूप से छात्रों और पहली बार मतदान करने वालों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के युवा ही कल के नीति-निमार्ता और नेतृत्वकर्ता होंगे। यदि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत और जीवंत रह पाएगा। छात्रों के लिए यह दिन यह समझने का अवसर है कि एक वोट किस प्रकार नीतियों, सरकारों और देश के भविष्य को दिशा दे सकता है।

देश के विभिन्न हिस्सों में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन स्थानीय संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप होते हैं। कहीं जागरूकता रैलियाँ निकलती हैं, कहीं नुक्कड़ नाटक और लोक प्रस्तुतियों के माध्यम से मतदाता शिक्षा दी जाती है। स्कूलों और कॉलेजों में वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवाओं को लोकतांत्रिक विमर्श से जोड़ा जाता है। शहरी क्षेत्रों में डिजिटल माध्यमों पर जोर होता है, तो ग्रामीण इलाकों में प्रत्यक्ष संवाद और सामुदायिक सहभागिता को प्राथमिकता दी जाती है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र को आत्मसात करने की एक सतत प्रक्रिया है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि अधिकार के साथ कर्तव्य भी जुड़ा होता है। यदि नागरिक सजग, सूचित और नैतिक होंगे, तो लोकतंत्र स्वतः सशक्त होगा। मतदान केवल एक दिन की क्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

अंततः, राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपने मताधिकार का उपयोग पूरी जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं। क्या हम केवल दर्शक बनकर रह गए हैं या सचमुच सहभागी नागरिक हैं। जब हर मतदाता यह समझ लेगा कि उसका एक वोट भी बदलाव की क्षमता रखता है, तभी लोकतंत्र अपनी पूर्णता को प्राप्त करेगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस इसी जागरूकता की मशाल है, जो हर वर्ष हमें हमारे लोकतांत्रिक कर्तव्यों की याद दिलाती है और एक बेहतर, अधिक सहभागी भारत की ओर अग्रसर करती है।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है।

हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत

आजादी के लगभग 8 दशक पूरे करने के बाद भारतीय गणतंत्र एक ऐसे मुकाम पर है, जहाँ से उसे सिर्फ आगे ही जाना है। अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों के साथ पूरी हुई इन 8 दशकों की यात्रा ने पूरी दुनिया के मन में भारत के लिए एक आदर पैदा किया है। यही कारण है कि हमारे भारतवंशी आज दुनिया के हर देश में एक नई निगाह से देखे जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा का आदर और मूल्य भी उन्हें मिल रहा है। हमें सोचना होगा कि आखिर हम उस सपने को कैसा पूरा कर सकते हैं जिसे पूरे करने के लिए सिर्फ कुछ साल बचे हैं। यानि 2047 में भारत को महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने का सपना।

आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी जज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था। आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफलताओं के इतिहास न लिख रहे होते। जो विदेशों में गए हैं, उनके सामने यदि अपने देश में ही विकास के समान अवसर उपलब्ध होते तो वे शायद अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए प्रेरित न होते। बावजूद इसके विदेशों में जाकर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से भारत के लिए एक ब्रांड एंबेसेडर का काम किया है। यही कारण है कि साँप, सपेरों और साधुओं के रूप में पहचाने जाने वाले भारत की छवि आज एक ऐसे तेजी से प्रगति करते राष्ट्र के रूप में बनी है, जो तेजी से अपने को एक महाशक्ति में बदल रहा है। आर्थिक सुधारों की तीव्र गति ने भारत को दुनिया के सामने एक ऐसे चमकीले क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है, जहाँ व्यवसायिक विकास की भारी संभावनाएं देखी जा रही हैं। यह अकारण नहीं है कि तेजी के साथ भारत की तरफ विदेशी राष्ट्र आकर्षित हुए हैं। बाजारवाद के हो-हल्ले के बावजूद आम भारतीय की शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में व्यापक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ये परिवर्तन आज भले ही मध्यवर्ग तक सीमित दिखते हों, इनका लाभ आने वाले समय में नीचे तक पहुँचेगा।

आकांक्षावान भारत का उदयः

भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने

को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गईं हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं।

कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं। कई दीवारें ऐसी भी कि जिन्हें हमने खुद खड़ा किया है और हमारा बुरा सोचने वाली ताकतें उन्हें संबल दे रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर भी जब देश बँटा हुआ नजर आता है, तो कई बार आम भारतीय का दुख बढ़ जाता है। घुसपैठ की समस्या भी एक ऐसी समस्या है जिससे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। किसी तरह भी वोट बैंक बनाने और सत्ता हासिल करने की होड ने तमाम मूल्यों को शीर्षासन करा दिया है। ऐसे में जनता के विश्वास की रक्षा कैसे की जा सकती है? आजादी के इतने साल के बाद लगभग वही सवाल आज भी खड़े हैं, जिनके चलते देश का बँटवारा हुआ और महात्मा गांधी जैसी विभूतियां भी इस बँटवारे को रोक नहीं पाईं। देश के अनेक हिस्सों में चल रहे अतिवादी आंदोलन, चाहे वे किसी नाम से भी चलाए जा रहे हों या किसी भी विचारधारा से प्रेरित हों। सबका उद्देश्य भारत की प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना ही है। अनेक विकास परियोजनाओं के खिलाफ इनका हस्तक्षेप यह बताता है कि सारा कुछ बेहतर नहीं है। गणतंत्र को सार्थक करने के लिए हमें साधन संपन्नों और हाशिये पर खड़े लोगों को एक तल पर देखना होगा। क्योंकि आजादी तभी सार्थक है, जब वह हिंदुस्तान के हर आदमी को समान विकास के अवसर उपलब्ध कराए। कानून की नजर में हर आदमी समान है, यह बात नारे में नहीं, व्यवहार में भी दिखनी चाहिए।

अंतिम आदमी का कीजिए विचार-

गणतंत्र के बारे में कहा जाता है कि वह सौ सालों में साकार होता है। भारत ने इस यात्रा की भी काफी यात्रा पूरी कर ली है। बावजूद इसके हमें डा. राममनोहर लोहिया की यह बात ध्यान रखनी होगी कि ह्यलोकराज लोकलाज से चलता है ह्न इसी के साथ याद आते हैं पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे लोग, जिन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन देकर भारतीय राजनीति को एक ऐसी दृष्टि दी है, जिसमें आम आदमी के लिए जगह है। यह दर्शन हमें दरिद्रनारायण की सेवा की मार्ग पर प्रशस्त करता है। महात्मा गांधी भी अंतिम व्यक्ति का विचार करते हुए उसके लिए इस तंत्र में जगह बनाने की बात करते हैं। हमें सोचना होगा कि गणतंत्र के इन वर्षों में उस आखिरी आदमी के लिए हम कितनी जगह और कितनी संवेदना बना पाए हैं। प्रगति और विकास के सूचकांक तभी सार्थक हैं, जब वे आम आदमी के चेहरे पर मुस्कान लाने में समर्थ हों। क्या ऐसा कुछ बताने और कहने के लिए हमारे पास है? यदि नहीं...तो अभी भी समय है भारत को महाशक्ति बनाना है, तो वह हर भारतीय की भागीदारी से ही सच होने वाला सपना है। देश के तमाम वंचित लोगों को छोड़कर हम अपने सपनों को सच नहीं कर सकते। क्या हम इस जिम्मेदारी को उठाने के लिए तैयार हैं।

तलाशिए सवालों के जवाबः

गणतंत्र दिवस इन तमाम सवालों के जवाब खोजने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आया है। बीते समय में आतंकवाद, नक्सलवाद, क्षेत्रीयता की तमाम गंभीर चुनौतियों के सामने हमारा तंत्र बहुत बेबस दिखा। बावजूद इसके लोकतंत्र में जनता की आस्था बची और बनी हुयी है। हमारी एकता को तोड़ने और मन को तोड़ने के तमाम प्रयासों के बावजूद आम हिंदुस्तानी अपनी समूची निष्ठा से इस देश को एक देखना चाहता है। यह संकल्प लेना होगा कि हम लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को जगा पाएं। उनकी उम्मीदों पर अवसाद की परतें न चढ़ने दें। सपनों में रंग भरने की हिम्मत, ताकत और जोश से भरा हो- आम हिंदुस्तानी तो इसी सपने को सच होते हुए देखना चाहता है। यह संयोग ही है कि नया साल और गणतंत्र दिवस हम एक ही महीने जनवरी में मनाते हैं। जाहिर तौर पर हर नए साल का मतलब कलैंडर का बदलना भर नहीं है वह उत्सव है संकल्प का, अपने गणतंत्र में तेज भरने का। आम आदमी में जो भरोसा टूटता दिखता है उसे जोड़ने का। गणतंत्र को तोड़ने या कमजोर करने में लगी ताकतों के मंसूबों पर पानी फेरने का। जनवरी का महीना इसीलिए बहुत खास है क्योंकि यह महीना देश की अस्मिता को पहली बार झकझोर कर जगाने वाले सन्यासी विवेकानंद की जन्मतिथि(12 जनवरी) का महीना है। जिन्होंने पहली बार भारत के दर्शन को विश्वमंच पर मान्यता ही नहीं दिलायी हमारे दबे-कुचले आत्मविश्वास को जागृत किया। यह महीना है नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन (23 जनवरी) का जिन्होंने विदेशी सत्ता के दांत खट्टे कर दिए और विदेशी भूमि पर भारतीयों के सम्मान की रक्षा के लिए अपनी सेना खड़ी की। जाहिर तौर पर यह महीना सही संकल्पों और महानायकों की याद का महीना है। इससे हमें प्रेरणा लेने और आगे बढ़ने की जरूरत है। नए साल का सूरज हमें एक नयी रोशनी दे रहा है उसका उजास हमें नई दृष्टि दे रहा है। क्या हम इस रोशनी से सबक लेकर, अपने महानायकों की याद को बचाने और देश को महाशक्ति बनाने के सपने के साथ खड़ा होने का हौसला दिखाएंगें?

पीएम श्री विद्यालय में प्रभारी मंत्री के द्वारा आईसीटी लब एवं बाल वाटिका का उद्घाटन

अमरोहा (सब का सपना):- यूपी दिवस के अवसर पर बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत पीएम श्री विद्यालय नन्हेड़ा आल्यारपुर में आईसीटी लैब एवं बाल वाटिका के भवन का उद्घाटन प्रभारी मंत्री के पी मलिक के द्वारा फीता काटकर किया गया । प्रभारी मंत्री ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कर किया इस अवसर पर विद्यालय की बालिकाओं के द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रभारी मंत्री ने बच्चों से आईसीटी लब का उपयोग करते हुए कहा आज का युग कंप्यूटर का युग है आईसीटी लब से बच्चे आधुनिक

शिक्षण विधि के द्वारा सभी विषय को आसानी से समझ सकते हैं विद्यालय में प्री प्राइमरी कक्षाओं के रूप में बाल वाटिका का भी उद्घाटन किया गया वर्तमान में विद्यालय में तीन आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है । उन्होंने सभी बच्चों को आने वाली समय हेतु अपनी शुभकामनाएं दी तथा विद्यालय के स्टाफ को मन लगाकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार जिला समन्वयक प्रशांत कुमार गुप्ता एवं सतवीर सिंह ग्राम प्रधान तथा विद्यालय का समस्त स्टाफ प्रधानाचार्य संजीव सिरोही एवं मोनू सिंह भी उपस्थित रहे ।

धनौरा में हदबंदी का विरोध करते हुए पटरी दुकानदारों ने किया अनिश्चितकालीन अनशन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- रामलीला मैदान में काफी समय से व्यवसाय कर रहे पटरी दुकानदारों ने हदबंदी और चारदीवारी के निर्माण के विरोध में शनिवार को अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया और धरने पर बैठ गए।इस दौरान दर्जनों खोके और ठेले वालों ने मैदान के पास ही शांतिपूर्वक बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। इस मामले में आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जाएगा उनका यह प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा। बता दें कि प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे शीशपाल सैनी ने बताया कि थाना रोड पर स्थित ये दुकानदार कई वर्षों से खोखे और ठेले लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। मोहल्ला महादेव के ये निवासी निर्धन परिवारों से ताल्लुक रखते हैं और

उनके पास आय का कोई अन्य साधन नहीं है।वर्तमान में प्रशासन द्वारा कराई जा रही पैमाइश और चहारदीवारी के निर्माण के कारण इन गरीबों के खोखे इसकी जद में आ रहे हैं। यदि इन्हें यहां से हटाया गया, तो दर्जनों परिवारों के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। दुकानदारों ने अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार को उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा था। इसके पश्चात, शुक्रवार को अमरोहा पहुंचकर जिलाधिकारी को भी अपनी व्यथा से अवगत कराया गया। उनकी मांग है कि उनके खोखों को वर्तमान स्थान पर ही रहने दिया जाए, या यदि हटाना अनिवार्य है, तो प्रशासन द्वारा उनके व्यवसाय के लिए किसी अन्य स्थान पर उचित व्यवस्था की जाए।अनशन पर बैठे दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों ने एक स्वर में कहा कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास की वेदी पर गरीबों का चूल्हा नहीं बुझना चाहिए। इस अवसर पर शीशपाल सैनी, भगतराम सैनी, ओमकार, धर्मवीर, सोनू सैनी, बलकीर सिंह, महेंद्र सिंह, भोला, ओमप्रकाश, टीकाराम सैनी, महिपाल सैनी, अतर सिंह, विकास बंसल, राधे श्याम, अमर सिंह सैनी, संध्या शर्मा, शीला, लाल बाबू, नरेश सैनी, अशोक सैनी, अशोक कुमार और ममता सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर महामाया पॉलिटेक्निक संस्थान में दीक्षांत समारोह का समापन

धनौरा विधायक राजीव तरारा किया संबोधित,उत्तीर्ण छात्रों को डिप्लोमा वितरण

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के कस्बा बछरायूं स्थित महामाया पॉलिटेक्निक ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी संस्थान में शनिवार को 'उत्तर प्रदेश दिवस' के अवसर पर दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में संस्थान के विभिन्न ट्रेडों के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को डिप्लोमा प्रमाण पत्र और अंक पत्र वितरित किए गए।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि धनौरा विधायक राजीव तरारा और संस्थान के प्रधानाचार्य राजेश चंद्रा ने मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना और

स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। बता दें कि समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजीव तरारा ने कहा कि आज का युग तकनीक का है। तकनीकी शिक्षा युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, "कड़ी मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है। आप सभी को अपने कौशल का उपयोग राष्ट्र निर्माण और समाज के हित में करना चाहिए।"प्रधानाचार्य राजेश चंद्रा ने छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को मंच पर बुलाकर प्रमाण पत्र सौंपे गए।कार्यक्रम के सफल आयोजन में आदर्श राणा, रवि पाल, राजीव कुमार, विपिन कुमार, अमल यादव, अमित पवार, करन सिंह, अंकित कुमार, अमित कुमार और अंकुर चौहान सहित सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा। सभी ने उत्तीर्ण छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के चालकों व परिचालकों के लिए चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम और सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। आज उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के चालकों एवं परिचालकों के लिए बंबूगढ़ स्थित रोडवेज बस स्टैंड पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने शासन के निदेशों के अनुसार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक वाहन चलाते समय चालकों की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है, क्योंकि एक बस में लगभग

50 यात्री सरकार के भरोसे पर सफर करते हैं। उन्होंने चालकों से बस और स्वयं की सेहत का विशेष ध्यान रखने की अपील की, क्योंकि कोई भी अस्वस्थता दुर्घटना का कारण बन सकती है।समाजसेवी अनिल जग्गा ने रोडवेज चालकों से लेन ड्राइविंग का पालन करने का आग्रह किया। इससे न केवल दुर्घटना की आशंका कम होती है, बल्कि ईंधन की खपत में भी उल्लेखनीय कमी आती है। एआरएम रोडवेज सी. गौड़ ने चालकों से यातायात नियमों का पालन कर निगम की साख बनाए रखने का आह्वान किया।कार्यक्रम में डिपो इंचार्ज मोहम्मद साजिद खान, फोरमैन, स्टेशन इंचार्ज नाजिर सहित सभी चालक-परिचालक मौजूद रहे।इसके बाद प्रवर्तन टीम ने सड़क सुरक्षा उल्लंघनों पर कार्रवाई की। हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट न लगाने, मोबाइल फोन उपयोग और हाईवे पर अवैध पार्किंग जैसे मामलों में 65 वाहनों के चालान काटे गए।परिवहन विभाग ने बताया कि यह अभियान सड़क सुरक्षा माह के दौरान प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों के साथ आगे भी जारी रहेगा।

भाजपा नेता पर मुकदमा दर्ज कराने वाले गिरिराज सिंह ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में एक भाजपा नेता और उनकी पत्नी पर 24 लाख 60 हजार रुपए हड़पने का मामला सामने आया है ।इस मामले में पीड़ित युवक ने भाजपा नेता को अपनी पत्नी की मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए अपनी जान को भी खतरा बताया है। बता दें कि थाना रजबपुर क्षेत्र के निवासी गिरिराज सिंह ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान आरोप लगाते हुए बताया कि भाजपा नेता और उनकी पत्नी ने उन्हें गजरौला में एक दुकान की जगह बेचने के नाम पर 24 लाख 60 हजार रुपए लिए थे। उन्होंने बताया कि यह जमीन विवादित निकली जिसके कारण बैनामा नहीं हो सका ,जब गिरिराज सिंह ने अपने पैसे वापस मांगे तो भाजपा नेता पिंटू भाटी ने उन्हें पैसे वापस देने से साफ इनकार कर दिया। गिरिराज सिंह के

अनुसार उनकी पत्नी मेरठ के अस्पताल में भर्ती थीं ,इसी दौरान पिंटू भाटी के कुछ लोग वहां पहुंचे और उनकी पत्नी के सामने ही गाली गलौंच करते हुए पैसे ना देने की धमकी देने लगे, पीड़ित गिरिराज सिंह का आरोप है कि इस घटना के बाद उनकी पत्नी काफी डिप्रेशन में आ गई और उनकी मृत्यु हो गई। पीड़ित गिरिराज सिंह का कहना है कि भाजपा नेता पिंटू भाटी के द्वारा पैसे ना देने की बात को कहकर धमकी देने की वजह से ही उनकी पत्नी डिप्रेशन में आ गई थीं जिस कारण उनकी मृत्यु हो गई थी। इस मामले में पीड़ित गिरिराज सिंह ने भाजपा नेता पिंटू भाटी एवं उनकी पत्नी जिला पंचायत सदस्य रेशमा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि इस मामले में उन्होंने सांसद कंवर सिंह तंवर और भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी से भी शिकायत की थी। अब उन्होंने जिला अधिकारी अमरोहा एवं पुलिस अधीक्षक अमरोहा से इस मामले में कार्यवाही की मांग की है। इसके अलावा आपको बता दें कि इस प्रकरण में भाजपा नेता पिंटू भाटी ने भी तीन दिन पहले एक प्रेस वार्ता कर खुद पर लगे आरोपों को निराधार बताया था, उन्होंने पलटवार करते हुए पीड़ित गिरिराज सिंह पर टिकट दिलाने के एवज में 30 लाख रुपए लेने और अभी भी 10 लाख रुपए बकाया होने का आरोप लगाया है।

यूपी दिवस पर नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश दिवस 2026 के अवसर पर कलेक्ट्रेट मे हुए भव्य समारोह मे पालिका उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार को उनकी उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि नगर पालिका परिषद अमरोहा के उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा अमरोहा पालिका अधिशासी अधिकारी के रूप मे अपनी उल्लेखनीय सेवाओं और योगदान के लिए खासे लोकप्रिय हैं, नगर पालिका की अध्यक्ष शशि जैन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर पालिका के उपलब्ध सीमित संसाधनों के सहारे बेहतर नगरीय सुविधाएं एवं नगर के सौन्दर्य करण मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉ. बृजेश कुमार की गिनती एक मेहनती एवं कुशल अधिकारियो मे होती है, इनकी बेहतर कार्यक्षमता के कारण

जनपद के उच्च अधिकारियो द्वारा डॉ. बृजेश कुमार के अनुभवों एवं कार्यकुशलता का प्रयोग जनपद के अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों, कार्यक्रमों मे किया गया, उत्तर प्रदेश के बड़े मेलो मे सम्मिलित गंगा तिगरी मेला जो प्रदेश मे मिनी कुम्भ के नाम से विख्यात है। इस मेले मे लगभग 30 से 40 लाख श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं, जनपद के सबसे विशाल इस आयोजन मे जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा डॉ. बृजेश कुमार को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए, जिनको पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा पूरी तन्मयता एवं कार्यकुशलता से पूर्ण किया गया। डॉ. बृजेश कुमार की महत्ता का ही प्रमाण है की इन्हे आयुक्त मुरादाबाद मण्डल द्वारा वर्तमान मे मुरादाबाद मे आयोजित उदीशा आयोजन मे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गयी है, इससे पूर्व भी डॉ. बृजेश कुमार को राज्य सरकार द्वारा श्री राम मंदिर के उद्घघाटन समारोह हेतु महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। डॉ. बृजेश कुमार द्वारा पालिका अधिशासी अधिकारी के रूप मे अमरोहा नगर को सुन्दर, स्वच्छ व आधुनिक बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जो प्रशंसनीय है। इनके द्वारा शासकीय दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन करने, विभिन्न शासकीय योजनाओं बेहतर संचालन एवं पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाये जाने, अमरोहा नगर के विकास मे उल्लेखनीय भूमिका निभाने सहित अपनी उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उत्तर प्रदेश दिवस 2026 के अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स अमरोहा कार्यालय परिसर मे आयोजित भव्य एवं विशाल समारोह मे जनपद के प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधि द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। डॉ. बृजेश कुमार को मिले इस सम्मान से नगर पालिका स्टॉफ, पालिका सभासदों व उनके शुभ चिंतको द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

विकसित उत्तर प्रदेश-विकसित भारत की थीम पर आयोजित भव्य कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलो का किया अवलोकन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में 24 जनवरी को 77 वें उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर अमरोहा में विकसित उत्तर प्रदेश-विकसित भारत की थीम पर आयोजित भव्य कार्यक्रमों का आयोजन राज्यमंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, उ0प्र0 शासन/प्रभारी मंत्री जनपद अमरोहा के0पी0मलिक की अध्यक्षता में किया गया। सर्वप्रथम मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। तदोपरान्त उनके द्वारा उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस की बनाई गई रंगोली का अवलोकन किया गया। प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलो व प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया और स्टॉलो का निरीक्षण कर जानकारी प्राप्त की। प्रभारी मंत्री ने दिव्यांगजन कल्याण विभाग की ओर से जनपद के दिव्यांगो को ट्राई साईकिल का वितरण करते हुये गुब्बारों को उड़ाकर व हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रभारी मंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर सांस्कृतिक

कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई एवं विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत की परिकल्पना पर अपने विचार व्यक्त किए। संस्कृति विभाग, उ0प्र0 लखनऊ से आये कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागों में उच्च कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारी, ग्राम प्रधान, प्रगतिशील किसानों, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं बच्चों और मिलेट्स रेसिपी में अहम योगदान देने वाले लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर शॉल ओढाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री सहित सभी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार अमित शाह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण को देखा गया और उनके सम्बोधन को सुना गया। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित किसानो, लाभार्थियों को सम्बोधन करने से पूर्व प्रभारी मंत्री ने सभी को उ0प्र0 स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे प्रदेश में जन्म लिया जिनकी राजनीतिक, भौगोलिक व धार्मिक

स्थिति अपना अलग महत्व रखती है।मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बन गया है। हमारे उत्तर प्रदेश वाराणसी से हमारे प्रधानमंत्री सांसद हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की पहचान देश में भी नहीं, बल्कि विदेशों में भी बहुत अच्छी है। उन्होने कहा कि हमारी सरकार नौजवानों को रोजगार देने का कार्य कर रही है और जो भी योजनाएं चल रही है उनका लाभ आम आदमी तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा। उन्होंने जिला प्रशासन की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश दिवस को भाव बनाने के लिए जिला प्रशासन का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने लगाए गए स्टॉल को देखकर कहा बहुत ही अच्छा महसूस हुआ इतने अच्छे स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी आमजन को दी जा रही है। उन्होंने उपस्थित सभी से अपनी तहजीब और संस्कृति पर चलते हुए अपने बडो का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा आज प्रदेश विकास के उच्चतम शिखर पर है, कानून व्यवस्था सुदृढ हुई है। कहा कि हमारी सरकार बिना भेदभाव के सबको समान समझते हुए विकास कार्य कर रही है। शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों ने उत्तर प्रदेश की स्थापना की सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि उत्तर प्रदेश वह प्रदेश में जिसकी अर्थव्यवस्था पूरे भारत में अग्रणी है, जहां एक्सप्रेस वे एवं एयरपोर्ट जैसे अग्रणी स्थान में

है। उन्होंने कहा कि हमें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाना है और प्रदेश के साथ-साथ देश का नाम रोशन करना है और विकसित भारत बनाने में अपना पूर्ण सहयोग देना है। उन्होने कहा कि देश की खुशहाली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। संस्कृति से भरपूर, अद्भुत प्रदेश है और कहा हमारा प्रदेश वह प्रदेश है जिसमें देश को सर्वाधिक प्रधानमंत्री दिए हैं। विधायक हसनपुर महेन्द्र सिंह खड़गवंशी ने उन्होंने कहा आज हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व गुरु बनाने का जो संकल्प लिया है वह अवश्य ही पूर्ण होगा इसके लिए हमें अपना पूर्ण सहयोग देकर विकास करना है। उन्होने कहा कि प्रदेश के विकास के लिये कृषकों को कृषि यन्त्र वितरित किये जा रहे है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य सुविधाये प्रदान की जा रही है और दिव्यांगजनो को ट्राई साईकिल का वितरण किया जा रहा है। उन्होनें जनपद अमरोहा को प्रगति में नई पहचान मिल रही है और जिला प्रगति की ओर अग्रसर है। जलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम विकास और विरासत लेकर अपने प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं हमें विकास के साथ-साथ अपनी विरासत को भी संजोकर रखना है। उन्होंने कहा कि यह खुशी का माहौल है कि हमारा उत्तर प्रदेश स्थापित हुआ हर्ष का विषय है। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश को विकसित बनाने के लिये हम सभी को लिकर कार्य करने होगे जिससे उ0प्र0 के साथ-साथ हम भारत को विकसित बना सकें। कार्यक्रम के समापन पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने माननीय प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को जिला प्रशासन की ओर से आभार व्यक्त किया और उन्होंने प्रभारी मंत्री को अवगत कराया कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओ का आगे बढ़ाने और पात्र व्यक्तियों को लाभ प्राप्त कराने में और प्रयत्न करेंगे जिससे कि हमारा जनपद प्रथम स्थान पर आए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला महामंत्री भाजपा अभिनव कौशिक, ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, शुभम चौधरी, उपनिदेशक कृषि डॉ0 रामप्रवेश सहित जनप्रतिनिधि एवं जनपद स्तरीय अधिकारी कर्मचारी एवं भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

असमोली ब्लॉक परिसर में भाकियू (बीआरएसएस) का धरना-प्रदर्शन

बिजली, राशन, पानी और भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपा 6 सूत्रीय मांग पत्र

असमोली/संभल(सब का सपना):- जनपद के ब्लॉक परिसर असमोली में भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के तत्वावधान में जिला मंत्री (अ. मो.) सुफियान पाशा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए धरना-प्रदर्शन किया। पंचायत की अध्यक्षता जिला महामंत्री (अ. मो.) इस्माइल खां ने की, जबकि संचालन निर्देश कुमार ने किया। पंचायत को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम कल्याणकारी योजनाओं का लाभ किसानों और आम जनता को पारदर्शिता के साथ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि एकमुश्त समाधान योजना में आधे से अधिक उपभोक्ता लाभ से वंचित हैं, जिसे पुनः लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में मीटर रीडर प्रतिमाह घरेलू बिल निकालने नहीं आते, जिससे किसानों और उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त चार्ज लग रहा है। साथ ही स्मार्ट मीटरों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर सही नहीं चल रहे हैं, इन्हें जबरन न लगाया जाए और गलत बिल निकालने वाले घरेलू मीटरों को अभियान चलाकर ठीक कराया जाए। तहसील स्तर पर फैले भ्रष्टाचार पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रमाण पत्र बनवाने से लेकर वारिसान दर्ज कराने तक आम जनमानस को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगा। युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार उर्फ मोनू ने कहा कि राशन कार्ड ऑनलाइन होने के बाद भी सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, इसके बावजूद राशन कार्ड नहीं बन पा रहे हैं, जो बेहद निंदनीय है। वहीं संगठन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने जल शक्ति मिशन योजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि गांव-गांव बने ओवरहेड टैंक अभी तक सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। नियमित जल आपूर्ति न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धरना स्थल पर पहुंचे विभागीय अधिकारियों ने कुछ समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया और शेष समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद पंचायत का मुख्यमंत्री को संबोधित 6 सूत्रीय मांग पत्र खंड विकास अधिकारी असमोली प्रेमपाल सिंह के माध्यम से सौंपा गया। धरने में मुख्य रूप से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला महासचिव अनमोल कुमार, जिला मंत्री (अ. मो.) सुफियान पाशा, जिला महामंत्री (अ. मो.) इस्माइल खां, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार उर्फ मोनू, जिला सचिव (अ. मो.) अशरफ तुर्की, युवा तहसील महासचिव राजीव कुमार उर्फ बाबूजी, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, ब्लॉक अध्यक्ष असमोली चौधरी नेमपाल सिंह, ब्लॉक मंत्री मनीराम गुर्जर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी की बैठक में कपूर्री ठाकुर की मनाई गई जयंती

महान समाजवादी नेता को पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को किया गया याद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के कैंप कार्यालय पर शनिवार को जिला संभल समाजवादी पार्टी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रख्यात समाजवादी नेता स्वर्गीय कपूर्री ठाकुर की 102वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि कपूर्री ठाकुर एक महान स्वतंत्रता सेनानी, समाजवादी विचारक और सामाजिक न्याय के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, पिछड़ों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने बताया कि कपूर्री ठाकुर का जन्म 24 जनवरी 1924 को समस्तीपुर, बिहार में हुआ था। वे जयप्रकाश नारायण और डॉ. राममनोहर लोहिया के समाजवादी आंदोलन से जुड़े और दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। सामाजिक समानता और न्याय के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी प्रेरणास्रोत हैं।

कपूर्री ठाकुर को झोपड़ी के लाल के नाम से जाना जाता है, क्योंकि वे हमेशा गरीबों और शोषितों की आवाज बने रहे। बैठक का संचालन विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव ने किया। बैठक में राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि अरहम अली, नगर अध्यक्ष सद्दाम कुरैशी, जिला सचिव निषाद अहमद, विधानसभा अध्यक्ष ताहिर उल्ला खान, विधानसभा अध्यक्ष चंदौसी उमेश यादव, अमरीश यादव, बादशाह प्रधान, रामावतार यादव, सत्यवान यादव, मनीष यादव, आकाश शंखधार, अक्षय कुमार, चिंकी, तस्लीम भाई, अकील भाई, अशोक कुमार राणा, मुशर्रफ प्रधान, राजू खड़कवंशी, सद्दाम सूफी, मुस्ताक, विजेंद्र सिंह, साजिद अली, बब्बन मौर्य, अरविंद यादव, मुजफ्फर प्रधान, फाईम अली, रणवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संभल के 15 थानों में मातृत्व एवं शिशु देखभाल कक्षों का डिजिटल उद्घाटन

एडीजी अमिताभ यश ने की पहल की सराहना, महिला पुलिसकर्मियों को मिला बड़ा लाभ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के 15 पुलिस थानों में स्थापित मातृत्व एवं शिशु देखभाल कक्षों का शनिवार को उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश द्वारा डिजिटल माध्यम से विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा, डीआईजी मुरादाबाद मुनिराज गोबू, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई सहित टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड एवं राउंड टेबल इंडिया के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि संभल पुलिस द्वारा उजागर की गई अंतर्राज्यीय संगठित बीमा धोखाधड़ी के बाद बीमा कंपनियों ने सीएसआर के तहत महिला पुलिसकर्मियों के कल्याण हेतु सहयोग किया। इसी क्रम में टाटा एआईजी एवं राउंड टेबल इंडिया के सहयोग से जनपद के प्रत्येक थाने में मातृत्व एवं शिशु देखभाल कक्ष स्थापित किए गए हैं। एडीजी अमिताभ यश ने संभल पुलिस की जांच की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल महिला पुलिसकर्मियों को पेशेवर और पारिवारिक जिम्मेदारियों में संतुलन बनाने में सहायक होगी। उन्होंने इसे पुलिस और उद्योग जगत के सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इसके अतिरिक्त आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एवं इंडिया फर्स्ट के सहयोग से महिला पुलिसकर्मियों के लिए 15 होंडा एक्टिवा स्कूटी भी उपलब्ध कराई गई हैं। यह पहल मिशन शक्ति के उद्देश्यों के अनुरूप है। कार्यक्रम के समापन पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने बताया कि संभल उत्तर प्रदेश का पहला जनपद बन गया है, जहाँ हर पुलिस थाने में मातृत्व एवं शिशु देखभाल कक्ष और महिला पुलिसकर्मियों के लिए दोपहिया वाहन उपलब्ध कराए गए हैं।

थाना समाधान दिवस का आयोजन, डीआईजी व एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

धनारी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद रेंज मुनिराज एवं पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को थाना धनारी परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी-अपनी समस्याएं लेकर थाने पहुंचे, जिनकी शिकायतों को अधिकारियों ने गंभीरता से सुना। थाना समाधान दिवस के अवसर पर भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, रास्ता विवाद एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीआईजी मुरादाबाद रेंज मुनिराज एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों को त्वरित एवं संतोषजनक न्याय दिलाया जाए तथा प्रत्येक शिकायत का स्थलीय सत्यापन कर विधिक प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान कर उन्हें अनावश्यक रूप से भटकने से बचाना है। इस अवसर पर अधिकारियों ने आमजन से संवाद स्थापित कर पुलिस-जन सहयोग को और अधिक मजबूत करने पर बल दिया तथा जनता से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए थाना समाधान दिवस का अधिक से अधिक लाभ उठाएं

गणतंत्र दिवस परेड रिहर्सल का एसपी ने किया निरीक्षण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई ने पुलिस लाइन बहजोई में गणतंत्र दिवस समारोह के लिए आयोजित परेड रिहर्सल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रिहर्सल परेड की सलामी ली और परेड मंच से गुजरते पुलिस दस्तों द्वारा किए गए अनुशासित प्रदर्शन का अवलोकन किया। एसपी ने परेड में शामिल पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए संबंधित अधिकारियों को अनुशासन, समयपालन एवं समन्वय बनाए रखने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि गणतंत्र दिवस समारोह को सफल एवं गरिमामय ढंग से आयोजित किया जा सके।

हसनपुर तहसील परिसर पर भाकियू शंकर का हल्ला बोल धरना प्रदर्शन,मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि तहसील हसनपुर व जनपद में खूंखार कुत्तों का आतंक बढ़ता चला जा रहा है प्रशासन आंख बंद किए बैठा है 1 वर्ष में लगभग 20 लोगों की जान चली गई है और जनपद में लगभग 800 लोगों को एक वर्ष में कुत्तों ने काटा है इसी के साथ आवारा ,छुट्टे ,गोवंश पशुओ ने किसानों की फसलों को सफा चट कर दिया है ऐसी हाड कपकपाती सर्दी और वर्षा में किसान रात भर जागकर अपने फसलों की पहरेदारी कर रहे हैं ऊपर से,तेंदुए का कहर जारी है, जान-माल दोनों खतरे में, KCC खातों पर खेल बैंक बना रहे मनमानी, 5 लाख की लिमिट अब भी सपना यूरिया-ऊअढ में मिलावट का खेल किसानों को जबरन थमाया जा रहा है "नैनो यूरिया" !प्राकृतिक खेती का दर्द उपज तो दे रहे किसान, लेकिन बाजार में दाम कोई नहीं दे रहा! एक मुश्त समाधान योजना अव्यवहारिक 80% उपभोक्ता बाहर, बिजली विभाग की मनमानी 10 घंटे बिजली मांग रहे किसान, मिलती है आधी-अधूरी सप्लाई,नकली खाद और जहरीले पेस्टीसाइड का, नेटवर्क,इफको जैसे ब्रांड भी कटघरे में, गजरौला में फैक्ट्रियों से बढ़ रहा जहर इंसान और जानवर, दोनों पर कहर, चीनी मिलों पर गंभीर आरोप किसानों के अरबों रुपये दबाए, 9 वर्षों में भी हसनपुर चीनी मिल का नहीं हुआ विस्तार ,कर्मचारियों का शोषण, गन्ने पर हो रही खुलेआम "कटौती की लूट, अब किसान सिर्फ हल नहीं चलाएगा... जरूरत पड़ी तो आंदोलन से हिला देगा पूरा प्रशासन !, प्रदर्शन में आज चौधरी धर्मवीर सिंह चौधरी नेमपाल सिंह राकेश, रामेश्वर सैनी नेतराम सैनी मदन सैनी, प्रधान लोकेश चौहान नेतराम सैनी हरि सिंह सैनी शेर सिंह राणा संजीव चौधरी मोनू चौधरी कुलदीप सिंह सुखबीर भगत जी कैप्टन वीर सिंह चौहान बबीता रानी, ज्यौती ,हरवती देवी, वीर सिंह सैनी, हरि सिंह, जगत सिंह सैनी, याकूब खान तैयब अली, राजपाल सैनी इ मुन्नी देवी सीमा देवी,हरववी नीरज देवी रीना चौहान आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

गेहूं के खेत में बुजुर्ग महिला का शव मिलने से मची खलबली; संभल पुलिस ने कराई शिनाख्त

संभल। नखासा थाना क्षेत्र में गांव शरीफपुर से गुलालपुर जाने वाले रास्ते पर गेहूं के खेत में एक बुजुर्ग महिला का शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर स्वजन को अवगत कराया। हालांकि स्वजन ने पोस्टमार्टम कराने के इनकार कर दिया है। पुलिस ने पहुंचकर कराई शिनाख्त थाना क्षेत्र के गांव शरीफपुर से गुलालपुर जाने वाले कच्चे रास्ते के पास गेहूं के खेत में 70 वर्षीय महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने खेत में शव देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की और शव की पहचान गांव भारतल निवासी कन्हैया सिंह की 70 वर्षीय पत्नी लीलावती के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार शव पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले। स्वजन ने कर दिया पोस्टमार्टम से इनकार स्वजन के मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया शुरू करनी चाही, लेकिन स्वजन ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर शव स्वजन को सौंप दिया। मृतका के पोते ऋषिपाल ने बताया कि उनकी दादी लीलावती मानसिक रूप से कमजोर थीं। शुक्रवार को सभी स्वजन खेत पर काम करने गए थे। इसी दौरान दादी घर से बिना बताए निकल गईं। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटीं तो आसपास काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। प्रभारी निरीक्षण संजीव बालियान ने पोस्टमार्टम के लिए बोला था, लेकिन मृतका के स्वजन ने इनकार कर दिया। शव उन्हें सौंप दिया है।

जूनियर हाई स्कूल की छात्राओं को आत्मरक्षा का दिया गया प्रशिक्षण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशानिर्देशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म रक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत शनिवार को चंदौसी के सरोजिनी नायडू जूनियर हाई स्कूल की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का डटकर मुकाबला कर सकें, प्रशिक्षक सुरेश कुमार व पूर्वी ने छात्राओं को साइड किक, हाई किक, ब्लॉक्स व फेस किक की ट्रेनिंग दी ' जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले के जूनियर हाई स्कूल व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ' छात्राओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृति , मुख्यमंत्री बाल सेवा आदि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है ।ताकि बालिकाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी और पात्र बालिकाओं को योजनाओं का लाभ मिल सके '

विकसित उत्तर प्रदेश विकसित भारत थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व योजनाओं का वितरण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- शनिवार को रोडवेज बस स्टैंड बहजोई पर उत्तर प्रदेश दिवस 2026 का आयोजन विकसित उत्तर प्रदेशझ विकसित भारत थीम के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बिरजू महाराज कथक संस्थान लखनऊ की उपाध्यक्ष डॉ. मिथलेश तिवारी रहीं। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार उर्फ राजू यादव तथा भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खडगवंशी रहे। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों ने फीता काटकर एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने पंचोपचार से मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, ब्रज नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। जनपद सरस मेले में विभिन्न विभागों, स्वयं सहायता समूहों, ओडीओपी और मिशन शक्ति से जुड़े स्टॉलों का अवलोकन भी किया गया। अपने संबोधन में अतिथियों ने उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। मुख्य अतिथि डॉ. मिथलेश तिवारी ने सम्भल में विश्वविद्यालय एवं नाट्य-नृत्य एकेडमी की स्थापना का सुझाव दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल, स्वयं सहायता समूहों को प्रशस्ति पत्र, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत टूल किट तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। जिला विकास अधिकारी राम आशीष ने बताया कि जनपद सरस मेला 24 से 26 जनवरी 2026 तक जारी रहेगा। मंच संचालन कवि सौरभकांत शर्मा ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

बिजनौर में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का किया गया भव्य शुभारंभ

प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी' बनाना सरकार का मुख्य लक्ष्य: कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के इंदिरा बाल भवन में 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस' के अवसर पर एक गरिमामय और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार ने की। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए इस समारोह में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आम जनसमूह ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए बताया कि 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश राज्य की स्थापना हुई थी, जिसे पहले 'संयुक्त प्रांत' के नाम से जाना जाता था। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2017 में तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक के सुझाव पर सरकार ने 2018 से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को 'उत्तर प्रदेश दिवस' मनाने की ऐतिहासिक शुरूआत की थी। इस वर्ष यह आयोजन 24 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक संचालित किया जा रहा है। मंत्री जी ने प्रदेश के आर्थिक लक्ष्यों पर जोर देते हुए कहा कि सरकार का मुख्य ध्येय वर्ष 2030 तक उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 'वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी' बनाना है।आज उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर 'उत्तम प्रदेश' के रूप में उभर रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करें ताकि प्रदेश विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा और विकास की पहचान बना सके। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने देशप्रेम से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। साथ ही, लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी उपस्थित जनसमूह को दिखाया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में लाभार्थियों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया गया, जिसमें टूल किट, लैपटॉप, ट्राईसाईकिल और प्रधानमंत्री आवास योजना की चाबियां लाभार्थियों को सौंपी गईं। मंत्री जी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर विधायक नहटौर ओम कुमार, सीडीओ रण विजय सिंह, नगर पालिका चेयरपर्सन बिजनौर, आरएलडी अध्यक्ष, परियोजना निदेशक दिनकर विद्यार्थी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

होशियारपुर फास्ट ट्रैक कोर्ट का फैसला: नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दो आरोपियों को 20 साल की सजा

होशियारपुर के फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शुक्रवार को बच्चों के खिलाफ अपराधों में सख्त फैसला सुनाते हुए, दो आरोपियों परमजीत सिंह और भूपिंदर सिंह उर्फ टंकी को नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में 20-20 साल की सजा दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मनप्रीत कौर ने दोनों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 376(3), 376डी और पोक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत दोषी ठहराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना दिसंबर 2023 की है, जब पांच साल की बच्ची अपने पिता के नशामुक्ति केंद्र में इलाज के दौरान आरोपियों की देखरेख में थी। पिता के लौटने के बाद बच्ची ने दर्द की शिकायत की, और चिकित्सकीय जांच से यौन उत्पीड़न की पुष्टि हुई। फरवरी 2024 में एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देशित किया कि पीड़िता को 6 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए, जैसा सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों में है।

सीआईए स्टाफ ने पकड़े तीन युवक, दो अवैध हथियार और तीन जिंदा कारतूस बरामद

जालंधर कमिश्नरेट पुलिस की सीआईए स्टाफ टीम ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस कमिश्नर जालंधर धनप्रीत कौर के निर्देशों पर यह कार्रवाई की गई। सीआईए स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर सुरिंदर कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तीन युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो अवैध हथियार और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक सीआईए स्टाफ की टीम कपूरथला रोड नहर पुल के पास गश्त कर रही थी, तभी गुप्त सूचना मिली कि साहिल सिंह संधू निवासी न्यू राज नगर मधुबन कॉलोनी, मोहित कुमार उर्फ चुटकी निवासी गोपाल नगर और कर्मवीर सिंह उर्फ कांबी निवासी शहीद बाबू लाभ सिंह नगर क्षेत्र में बाबा बुद्धा जी पुल और टिकोनी पार्क के आसपास अवैध हथियारों के साथ घूम रहे हैं और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को काबू कर लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी साहिल सिंह से एक पिस्टल .32 बोर, आरोपी मोहित कुमार उर्फ चुटकी से एक देसी कटा .315 बोर और एक जिंदा कारतूस, जबकि आरोपी कर्मवीर सिंह उर्फ कांबी से दो जिंदा कारतूस .32 बोर बरामद किए गए। इस संबंध में थाना बस्ती बाबा खेल में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल किया जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि हथियार कहां से लाए गए थे और इनके पीछे क्या मंशा थी।

पंजाब के मानसा में पूर्व महिला सरपंच की गोली मारकर हत्या, पति पर भी फायरिंग; रंजिशन हत्या का शक

मानसा। पंजाब के मानसा जिले के गांव खिल्लन में कांग्रेस से संबंधित पूर्व महिला सरपंच की गोली मारकर हत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। हमलावरों ने वारदात के दौरान महिला सरपंच के पति पर भी फायरिंग की, लेकिन गोली गाड़ी को लगने से वह बाल-बाल बच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल मानसा पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हत्या का कारण आपसी रंजिश बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार गांव खिल्लन की पूर्व महिला सरपंच महेंद्रजीत कौर (45) को उनका पति हरप्रीत सिंह शुक्रवार को बुढलाडा से गाड़ी में गांव छोड़कर वापस लौट ही रहा था। इसी दौरान गांव में उनके ही सरीके में पड़ते पड़ोसियों ने अचानक महेंद्रजीत कौर पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वारदात की सूचना सबसे पहले उनके नौकर ने हरप्रीत सिंह को दी। सूचना मिलते ही हरप्रीत सिंह गाड़ी लेकर तुरंत गांव पहुंचे। इसी दौरान हमलावरों ने उन पर भी फायरिंग कर दी। हालांकि गोली उनकी गाड़ी पर लग गई, जिससे वह सुरक्षित बच निकले। बताया जा रहा है कि आपसी रंजिश के चलते हरप्रीत सिंह का परिवार लंबे समय से बुढलाडा में रह रहा था। गांव खिल्लन में उनकी जमीन और घर होने के कारण वे शुक्रवार को गांव आए थे। हरप्रीत सिंह खेतीबाड़ी के साथ-साथ ट्रांसपोर्ट के व्यवसाय से भी जुड़े हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सील कर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही दोषियों को काबू कर लिया जाएगा।

रेलवे यात्रियों को हनी ट्रैप में फंसाकर लूटने वाला गिरोह काबू, बठिंडा पुलिस ने 7 आरोपी दबोचे

बठिंडा। रेलवे स्टेशन बठिंडा और संतपुरा रोड क्षेत्र में यात्रियों व राहगीरों को हनी ट्रैप में फंसाकर लूटपाट करने वाले एक संगठित गिरोह का बठिंडा पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह में पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी शामिल थीं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन पुरुष और चार महिलाओं सहित कुल सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रंजीत सिंह उर्फ मोजी (36), विशाल कुमार (24), शिवा (22), नीतू (32), किरण रानी उर्फ माही (40), मनप्रीत कौर (42) और सुखदीप कौर (40) के रूप में हुई है। सभी आरोपी बठिंडा और आसपास के क्षेत्रों के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ समय से रेलवे स्टेशन और संतपुरा रोड इलाके में लूटपाट की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों में बताया गया था कि कुछ महिलाएं अकेले यात्रियों को प्रेम प्रस्ताव देकर या बहला-फुसलाकर सुनसान जगहों पर ले जाती थीं, जहां पहले से मौजूद उनके पुरुष साथी नकदी और कीमती सामान लूट लेते थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी बठिंडा डॉ. ज्योति यादव के निर्देश पर विशेष जांच शुरू की गई। इस कार्रवाई की निगरानी एसपी (इन्वेस्टिगेशन) जसमीत सिंह, एसपी सिटी नरेंद्र सिंह और डीएसपी सिटी-1 अमृतपाल सिंह भाटी ने की। थाना कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर परविंदर सिंह को गुप्त सूचना मिली कि संतपुरा रोड इलाके में एक गिरोह सक्रिय है, जो वारदात के लिए थ्री-व्हीलर ऑटो का इस्तेमाल करता है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह की महिलाएं रात के समय रेलवे यात्रियों और राहगीरों को अश्लील इशारों व प्रेम जाल में फंसाती थीं। इसके बाद उन्हें एकांत स्थान पर ले जाकर ऑटो में सवार पुरुष साथियों की मदद से लूटपाट की जाती थी। पुलिस ने थाना कोतवाली बठिंडा में मामला दर्ज कर सभी सातों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ जारी है और गिरोह द्वारा पहले की गई वारदातों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अनजान लोगों से सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

पंचतत्व में विलीन हुए शहीद जोबनजीत सिंह, इलाके में शोक की लहर

रोपड़ : जम्मू-कश्मीर के डोडा के जिले में ड्यूटी के दौरान हुए दर्दनाक सड़क हादसे में शहीद हुए भारतीय सेना के जवान जोबनजीत सिंह की पार्थिव देह आज कुछ समय पहले उनके गृह जिला रोपड़ के अंतर्गत गोबिंद वैली स्थित उनके पैतृक निवास पर पहुंची। जैसे ही शहीद की पार्थिव देह घर पहुंची, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। आज शहीद पंचतत्व में विलीन हो गए। गौरतलब है कि शहीद जोबनजीत सिंह डोडा हादसे में शहीद हुए सैन्य जवानों में शामिल थे और उनका संबंध रोपड़ जिले से था। शहीद के पिता बलवीर सिंह स्वयं भी भारतीय सेना में देश की सेवा कर चुके हैं। बेटे की शहादत के मौके पर उन्होंने एक बार फिर अपनी सैन्य वर्दी पहनकर एक फौजी पिता होने का कर्तव्य और गर्व दोनों निभाया। शहीद के घर का माहौल बेहद भावुक था। आंखों में आंसू थे, लेकिन दिलों में बेटे की शहादत पर गर्व भी साफ दिखाई दे रहा था। ह्नजोबनजीत सिंह अमर रहेंह्व के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। दोपहर करीब 3 बजे शहीद का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस मौके पर शहीद के पिता बलवीर सिंह ने भावुक होकर बताया कि जोबनजीत उनका इकलौता पुत्र था और उसकी शादी की सभी तैयारियाँ पूरी हो चुकी थीं। उन्होंने कहा कि शुरू में दुख असहनीय था, लेकिन भारत माता की सेवा और बेटे की शहादत ने उन्हें हौसला दिया। उन्होंने 1971 की जंग सहित देश के लिए शहीद हुए सभी वीर सैनिकों को नमन किया। शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए रूपनगर के विधायक दिनेश चड्ढा सहित विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, सैन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। पूरे इलाके ने नम आंखों से अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी।

पंजाब में गणतंत्र दिवस से पहले धमाका: सरहिंद में रेलवे की आउटर लाइन पर ब्लास्ट, सुरक्षा अधिकारी घायल

गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेल लाइन पर धमाका हुआ है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे सरहिंद रेलवे स्टेशन की एक आउटर लाइन पर इंजन के गुजरने के दौरान धमाका हुआ। देर रात करीब 11 बजे इसकी सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को दी गई। हमले में एक लोको पायलट के घायल होने की भी सूचना है। जीआरपी ने इस संदर्भ में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच के दौरान पुलिस पुलिस और एफएसएल की टीम ने मौके से कुछ सबूत जुटाए हैं ताकि फॉरेंसिक जांच के बाद यह मालूम किया जा सके कि यह धमाका किसी आतंकी साजिश का हिस्सा था या नहीं। रोपड़ रेंज के डीआईजी नानक सिंह भी मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस का यह भी मानना है कि यह धमाका इंजन में ही किसी तकनीकी खराबी के चलते भी हो सकता है। रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञ इस बात की जांच भी कर रहे हैं। इस धमाके से इंजन के शीशे टूट गए हैं जबकि ट्रैक को भी थोड़ा नुकसान हुआ है। पुलिस जांच जारी है क्योंकि गणतंत्र दिवस नजदीक है और सुरक्षा एजेंसियों ने किसी बड़ी घटना का अलर्ट जारी किया हुआ है। इसके चलते पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। वहीं पुलिस के अनुसार, इस धमाके में मालगाड़ी के सुरक्षा अधिकारी अनिल शर्मा (सेफ्टी ऑफिसर, डीएफसीसी) को बहुत मामूली चोट आई थी और वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं। यह धमाका उस रेलवे पटरी पर हुआ है, जहां से केवल मालगाड़ियां ही गुजरती हैं। आम जनता या यात्री ट्रेनों को लेकर किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास धमाके के बाद प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि रेलवे ट्रैक के पास धमाका कोई आम अपराध नहीं है। ये पंजाब को अस्थिर करने और डर फैलाने की जानबूझकर की गई कोशिश हैं। असली सवाल यह है कि इस अराजकता से किसे फायदा हो रहा है, और राज्य इसे रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? वहीं शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल ने कहा कि सरहिंद के पास रेलवे लाइन पर हुए ब्लास्ट की खबर से बहुत चिंतित और हैरान हूं। ऐसी घटनाएं चिंताजनक हैं और दशकों की अशांति के बाद बहाल हुई शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। मैं घायल के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।
उन्होंने कहा कि यह घटना मौजूदा सरकार के तहत पंजाब में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति का एक और साफ संकेत है। इस तरह के खुले हमलों को रोकने में बार-बार नाकामी अस्वीकार्य है और इसके लिए तुरंत जवाबदेही तय होनी चाहिए। यह घटना गणतंत्र दिवस से दो दिन पहले हुई, जब आप सरकार कुख्यात तत्वों के खिलाफ एक बड़े अभियान चलाने का दावा कर रही है।

श्री मुक्तसर साहिब में अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, सीएनजी कार में लगी आग, चालक बाल बाल बचा

श्री मुक्तसर साहिब। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब के कोटकपूरा रोड पर शनिवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते होते टल गया, जब एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई और उसमें भयानक आग लग गई। हादसे में कार पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि चालक ने समय रहते कार से कूदकर अपनी जान बचा ली। इस हादसे में किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार हादसा शनिवार सुबह करीब 11 बजे का है। कार चालक सुखप्रीत सिंह निवासी कोटकपूरा अपनी कार में सवार होकर कोटकपूरा से श्री मुक्तसर साहिब की ओर आ रहा था। जब वह गांव झबेलवाली और चढ़ेवान के बीच पहुंचा, तो अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया। तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुछ ही पलों में कार में आग भड़क उठी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के तुरंत बाद कार से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। स्थिति को भांपते हुए चालक सुखप्रीत सिंह ने तुरंत कार से छलांग लगा दी और अपनी जान बचा ली। बताया जा रहा है कि कार सीएनजी गैस से चल रही थी, जिस कारण आग तेजी से फैल गई। हादसे के बाद आसपास के गांवों से लोग मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी और केवल ढांचा ही बचा था। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को भी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन का संतुलन बिगड़ना बताया जा रहा है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई अन्य वाहन या राहगीर चपेट में नहीं आया। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं और तेज रफ्तार से बचें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

स्कूल से घर लौट रहे 10वीं क्लास के स्टूडेंट की चाइना डोर से गर्दन कटने से मौत

समराला : समराला पुलिस के चाइना डोर के खिलाफ सख्ती के लाख दावों के बावजूद, शनिवार को स्कूल से घर लौट रहे 10वीं क्लास के 15 साल के स्टूडेंट की चाइना डोर की चपेट में आने से गर्दन कटने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक स्टूडेंट की पहचान गांव रोहाले के रहने वाले तरनजोत सिंह के तौर पर हुई है, जो परिवार का इकलौता बेटा था। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और वे कथित तौर पर अपने बच्चे की मौत के लिए लोकल एडमिनिस्ट्रेशन को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इस घटना में मृतक तरनजोत का चचेरा भाई भी चाइनीज डोर में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जो उसे मोटरसाइकिल पर स्कूल से घर वापस ले जा रहा था। उसे इलाज के लिए समराला के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पास के गांव रोहले का रहने वाला 15 साल का तरनजोत सिंह अपने चचेरे भाई प्रभजोत सिंह के साथ स्कूल से मोटरसाइकिल पर समराला से घर लौट रहा था। जैसे ही ये दोनों नौजवान लुधियाना-चंडीगढ़ मेन हाईवे पर गांव चहलां के पास पहुंचे, वहां फंसी पतंग की डोर ने तरनजोत सिंह की गर्दन को पूरी तरह से काट दिया। इस खूनी डोर से तरनजोत की गर्दन खिंच गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। जबकि मोटरसाइकिल चला रहा प्रभजोत सिंह भी खूनी डोर में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद रलड समराला हरविंदर सिंह भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी बताया कि तरनजीत सिंह की मौत पतंग की डोर की चपेट में आने से हुई है। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि चाइना डोर के खिलाफ पुलिस के इतनी सख्ती के दावों के बावजूद इतनी बड़ी घटना कैसे हो गई, तो वे साफ जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि यह डोर वहां पर पहले से ही फंसा हुआ था, ऐसा नहीं है कि इस डोर से पतंग उड़ाई जा रही थी। पुलिस चाइना डोर के खिलाफ पूरी सख्ती बरत रही है और पुलिस की तरफ से लगातार चेकिंग भी की जा रही है। दूसरी तरफ, तरनजीत सिंह जो अपने परिवार का इकलौता बेटा था, उसके माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक बच्चे के माता-पिता और उसके दादा ने कथित तौर पर अपने बच्चे की इस दर्दनाक मौत के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अगर चाइना डोर को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की गई होती तो उनका बेटा आज इस हालत में नहीं होता। फिलहाल, मृतक बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल समराला लाया गया है। जहां पुलिस आगे की कार्रवाई करने में जुटी है। समराला, - पुलिस की सख्ती के बावजूद जिस तरह से पतंग उड़ाने वालों ने लापरवाही से चाइना डोर का इस्तेमाल किया है, उससे मासूमों की जान खतरे में पड़ गई है। गांव हेडो के पास एक और घटना में चाइना डोर से एक युवक की उंगली कट गई है। उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल समराला में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान लुधियाना के पास जोनेवाल गांव के रहने वाले चरणजीत गिरी ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ यहां एक शादी में शामिल होने आए थे। परिवार को पैलेस में छोड़ने के बाद वह समराला बस स्टैंड लौटने के लिए किसी से लिफ्ट लेकर आ रहा था, तभी रास्ते में चाइना डोर ने अपनी चपेट में ले लिया।

दर्दनाक हादसा: मीटर रीडर की करंट लगने से मौत, इलाके में शोक की लहर

मेहल कलां : इलाके से एक दुखदायी खबर सामने आई है। एक बिजली कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि 2 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा कल रात 66 डश ग्रिड सबस्टेशन थुल्लिवाल में हुआ, जब गांव हमीदी और गुर्म के फीडर को चलाने का काम चल रहा था। मिली जानकारी के अनुसार, फीडर चलाते समय अचानक करंट आने से बिजली विभाग के 3 कर्मचारी करंट की चपेट में आ गए। इस हादसे में मीटर रीडर मलकीत सिंह छीनीवाल (56 साल) निवासी गांव छीनीवाल कलां की मौके पर ही मौत हो गई। चमकोर सिंह (CHV, गांव कुरार) और बेअंत सिंह , निवासी मांगेवाल भी हादसे में गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों घायलों को पहले तुरंत इलाज के लिए पास के हेल्थ सेंटर और बाद में DMC लुधियाना रेफर किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही बिजली विभाग के बड़े अधिकारी और इलाके के लोग मौके पर पहुंच गए। मीटर रीडर मलकीत सिंह छीनीवाल, जो लंबे समय से पावरकॉम सब-डिवीजन ठुल्लीवाल में मीटर रीडर के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। मलकीत सिंह छीनीवाल की करंट लगने से अचानक हुई मौत से परिवार और इलाके में दुख की लहर दौड़ गई है। इस हादसे के असली कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। मलकीत सिंह छीनीवाल अपने पीछे रोती-बिलखती पत्नी और दो बेटों को छोड़ गए हैं। उनके दोनों बेटे विदेश में रहते हैं-एक कनाडा में और दूसरा न्यूजीलैंड में। इस मौके पर टेक्निकल सर्विसेज यूनियन रजि. सर्कल बरनाला के प्रेसिडेंट सतिंदर पाल सिंह जस्सर, सेक्रेटरी कुलवीर सिंह औलाख, पावरकॉम सब-डिवीजन ठुल्लीवाल के रज्ड इंजीनियर रवि प्रकाश बरनाला, खए बलराज सिंह और हरदेव सिंह, रिटायर्ड जय जरनैल सिंह ठुल्लीवाल, भोला सिंह गुमटी, दर्शन सिंह दसौंदा सिंह वाला, रुलदू सिंह गुमटी और रानी कौर मेहल कलां ने दिवंगत साथी मलकीत सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नेताओं ने कहा कि पावरकॉम के लिए उनकी सेवाओं और संगठन में निभाई गई जागरूक लीडरशिप भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा। इस मौके पर सरपंच परमजीत कौर सिद्धू ठुल्लीवाल, सरपंच ओमनदीप सिंह सोही हमीदी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष परमिंदर सिंह सम्मी ठुल्लीवाल, ठफ्क कबड्डी क्लब हमीदी के अध्यक्ष मनजीत सिंह रानू, पूर्व चेयरमैन करनैल सिंह ठुल्लीवाल, बलबीर सिंह धालीवाल ठुल्लीवाल, किसान नेता नजर सिंह धालीवाल, मेवा सिंह भट्टी ठुल्लीवाल, पूर्व ब्लॉक समिति सदस्य जरनैल सिंह भोला, नंबरदार सुखविंदर सिंह ठुल्लीवाल और हरजिंदर सिंह सोही ने मीटर रीडर मलकीत सिंह छीनीवाल की मौत पर गहरा दुख जताया।

हरियाणा बिजली निगम के कर्मचारी को हाईकोर्ट ने दी राहत, चार्जशीट के बाद बिना जांच सजा देने को बताया अवैध

चार्जशीट के बाद बिना जांच सजा देना अवैध: हाईकोर्ट

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के कर्मचारी संजीव आनंद को बड़ी राहत देते हुए विभाग द्वारा वर्ष 2015 से 2024 तक पारित सभी दंडात्मक आदेशों को असंवैधानिक करार देते हुए रद कर दिया है। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने अपने विस्तृत आदेश में स्पष्ट कहा है कि जब किसी कर्मचारी को ह्मेजर पेनल्टीह्व (बड़ी सजा) की चार्जशीट दी जाती है, तो बिना नियमित विभागीय जांच कराए, उस पर ह्मेमाइनर पेनल्टीह्व (छोटी सजा) भी नहीं थोपी जा सकती। ऐसा करना कानून के स्थापित सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है। हाईकोर्ट ने निगम को निर्देश दिया है कि संजीव आनंद को उनकी अवैध रूप से रोकी गई सभी सेवा लाभों की राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित तीन माह के भीतर अदा की जाए। मामले के अनुसार संजीव आनंद को 18 सितंबर 2012 को कथित अनुशासनहीनता के आरोपों पर चार्जशीट जारी की गई थी। उन्होंने समय पर विस्तृत जवाब दिया और उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने भी

उनकी ईमानदारी और कार्यकुशलता के पक्ष में टिप्पणियां दी थीं। इसके बावजूद बिना कोई विभागीय जांच कराए 24 नवंबर 2015 को उन्हें एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने की सजा सुना दी गई। बाद में 2018, 2023 और 2024 में भी इसी अवैध सजा को बरकरार रखने वाले आदेश पारित होते रहे। हाई कोर्ट ने पाया कि यह चार्जशीट नियम-7 के तहत ह्मेजर पेनल्टीह्व के लिए जारी की गई थी, जिसमें नियमित जांच अनिवार्य होती है। इसके बावजूद निगम ने न तो कोई जांच कराई और न ही विधिवत कारण बताओ नोटिस दिया। इसके अलावा जिस अधिकारी ने सजा दी, वह सक्षम प्राधिकारी भी नहीं था।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चार्जशीट मेजर पेनल्टी की हो तो बिना जांच मामूली सजा भी नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि केवल जवाब लेने या व्यक्तिगत सुनवाई देने से यह कानूनी कमी दूर नहीं होती। इन सभी आधारों पर हाईकोर्ट ने सभी दंडात्मक आदेशों को रद करते हुए निगम को तीन माह में सभी बकाया लाभ 6 प्रतिशत ब्याज सहित जारी करने का निर्देश दिया है।

डोडा हादसे में बलिदान हुए सुधीर नरवाल को 7 वर्षीय बेटे ने दी मुखाग्नि, अंतिम यात्रा में साथ रही पत्नी; उमड़ा जनसैलाब

छछरौली। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सड़क दुर्घटना में बलिदान हुए फौजी सुधीर नरवाल का पार्थिव शरीर शनिवार को पैतृक गांव शेरपुर में पहुंचा। जैसे ही सेना के वाहन से तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर गांव में पहुंचा। छछरौली से गांव शेरपुर तक लगभग ढाई किमी के काफिले में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। बाइकों पर तिरंगे लगाए हुए थे। गांव और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग वीर सपूत को अंतिम विदाई देने के लिए उमड़ पड़े। हर आंख नम थी और माहौल गमगीन हो गया। यहां सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। सात वर्षीय बेटे अयांश ने मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में पत्नी रूबी साथ रही। अंतिम यात्रा में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा और विधायक घनश्याम दास अरोड़ा पहुंचे। उन्होंने बलिदानी को पुष्प अर्पित किए। सेना की टुकड़ी ने गार्ड आफ आनर दिया और राष्ट्रध्वज को पूरे सम्मान के साथ बलिदानी के स्वजन को सौंपा गया। देशभक्ति और श्रद्धा का यह दृश्य हर किसी को भावुक कर गया। ग्रामीणों ने बलिदानी अमर रहे के नारे लगाएं। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बलिदानी का परिवार सरकार का परिवार है। परिवार की हर संभव मदद के लिए सरकार साथ खड़ी है।

हरियाणा खेल मंत्री के चुनाव को चुनौती वाली याचिका से सबूत गायब, हाईकोर्ट के रिकॉर्ड में नहीं मिली पेन ड्राइव, पूर्व मंत्री दलाल ने उठाए सवाल

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम के पलवल विधानसभा सीट पर चुनाव को चुनौती देने वाली हाई प्रोफाइल चुनावी याचिका में बेहद गंभीर और चौंकाने वाला घटनाक्रम सामने आया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रिकॉर्ड से एक महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक सबूत यानी पेन ड्राइव गायब हो गई है। पेन ड्राइव गायब होने से न्यायिक व्यवस्था की निष्पक्षता और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह पेन ड्राइव चुनाव याचिका करण सिंह दलाल बनाम गौरव गौतम मामले में एनेक्सचर पी-4 के रूप में दाखिल की गई थी, जिसमें चुनाव के दौरान कथित भ्रष्ट आचरण से जुड़े वीडियो, तस्वीरें और स्क्रीनशाट सुरक्षित थे। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता करण सिंह दलाल ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार को शिकायत दर्ज कराई है कि 21 जनवरी 2026 को उन्हें चुनाव शाखा की ओर से सूचित किया गया कि अदालत की फाइल से पेन ड्राइव गायब है। उनके वकील को दोपहर करीब 12.06 बजे फोन कर बताया गया कि कागजी बंडल के पृष्ठ संख्या 72 पर प्लास्टिक पाउच में लगी पेन ड्राइव को किसी ने निकाल लिया है। शिकायत में बताया गया है कि यह पेन ड्राइव सीरियल नंबर बीएम 2409003429 जेड की थी, जिसमें वे सभी वीडियो और डिजिटल सबूत थे, जिनके आधार पर राज्य मंत्री गौरव गौतम पर जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 के तहत भ्रष्ट आचरण का आरोप लगाया गया है। हैरानी की बात यह है कि हाईकोर्ट के 28 नवंबर 2025 के आदेश में भी इन्हीं वीडियो सबूतों का उल्लेख किया गया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह सामग्री मामले की रीढ़ है। शिकायत में करण सिंह दलाल ने आशंका जताई है कि पेन ड्राइव और उसका पाउच जानबूझकर किसी साजिश के तहत हटाया गया है ताकि प्रतिवादी को अनुचित लाभ मिल सके और याचिकाकर्ता के मामले को कमजोर किया जा सके। करण दलाल ने इसे न्यायिक प्रक्रिया के साथ सीधा खिलवाड़ बताते हुए रजिस्ट्रार से तत्काल गहन जांच और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में पैरवी करने वाले हरियाणा के पूर्व एडवोकेट जनरल और भारत सरकार के पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल मोहन जैन ने कहा कि अदालत की फाइल से प्राथमिक इलेक्ट्रॉनिक सबूत का गायब होना बेहद गंभीर मामला है, जो न्याय की निष्पक्षता और रिकार्ड की सुरक्षा प्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रानिकस साक्ष्य आधुनिक न्याय व्यवस्था में बेहद अहम हैं

सवारी बनकर दिल्ली से गुड़गांव आए बदमाश, कैब ड्राइवर को पीटकर दिया लूट की वारदात को अंजाम

गुड़गांव : दिल्ली के एयरपोर्ट से सवारी बनकर गुड़गांव आए बदमाशों ने कैब ड्राइवर से मारपीट कर उसकी कैब लूट ली। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। मामले में घायल कैब ड्राइवर की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले में जांच करते हुए एक आरोपी को गुड़गांव के पुराना दिल्ली रोड पर एयरफोर्स स्टेशन के पास से काबू कर लिया। आरोपी की पहचान समीर (उम्र-29 वर्ष), निवासी ग्राम मनोटा, जिला संभल (उत्तर-प्रदेश) के रूप में हुई। आरोपी से पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह दिल्ली में सिलाई का कार्य करता है तथा नशा करने का आदी है। इसने अपने साथी आरोपी नवीन के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से कैब लूटने की

उपरोक्त वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड के अवलोकन से ज्ञात हुआ कि उसके विरुद्ध उत्तर-प्रदेश में मारपीट करने का एक केस में पहले भी दर्ज है। अब तक इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। मामले में वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों से लूटी गई कैब भी बरामद कर ली है। आपको बता दें कि 6 मई 2025 को नाहरपुर चौकी पुलिस को सूचना मिली थी कि सेक्टर-33 सीएनजी पंप के पास एक कैब चालक से मारपीट कर बदमाशों ने कैब लूट ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल कैब ड्राइवर को सेक्टर-10 अस्पताल में भर्ती कराया। यहां पुलिस को कैब चालक ने शिकायत देकर बताया था कि यह कैब चालक के रूप में कार्य करता है। 5 मई 2025 को यह टी-1 मेट्रो स्टेशन के पास सवारी के इंतजार में खड़ा था, तभी दो युवक इसके पास आए और सेक्टर-33, गुरुग्राम चलने की बात कही तो यह उन्हें लेकर सेक्टर-33 की तरफ चल दिया। उनमें से एक युवक आगे ड्राइवर सीट के बगल में तथा दूसरा पीछे बैठ गया। इसी दौरान उन्होंने इसको बातों में उलझा लिया और अचानक गाड़ी में बैठा एक व्यक्ति ने ड्राइवर सीट पर बैठ गया और गाड़ी स्टार्ट कर दिया और दूसरा व्यक्ति भी गाड़ी में बैठ गया। जब इसने गाड़ी की खिड़की पकड़ने का प्रयास किया तो उन्होंने गाड़ी को तेज गति से भगा लिया और यह नीचे गिर गया, जिसके कारण इसको चोटें आईं। मामले में फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

मीट विक्रेता की चाकू मारकर हत्या, गली में बच्चों के खेलने पर हुआ विवाद; आरोपी मौके से फरार

रोहतक शहर के पाड़ा मोहल्ले में शनिवार दोपहर बच्चों के झगड़े में दो पक्ष भिड़ गए। झगड़े में मीट विक्रेता सावन उम्र 25 साल की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसका साथी साहिल उम्र 24 साल गंभीर रूप से घायल हो गए। पुरानी सब्जी मंडी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जानकारी में पता चला है कि शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे पाड़ा मोहल्ले में मुख्य सड़क के पास गली में बच्चे आपस में खेल रहे थे। खेल के दौरान दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। एक पक्ष के बच्चों ने घर जाकर शिकायत कर दी। चार-पांच युवक चाकू व दूसरे तेजधार हथियार लेकर आ गए। दोनों पक्षों में पहले तो कहासुनी हुई। मामला बढ़ने पर सावन व साहिल पर चाकू से हमला कर दिया। साथ ही पथराव किया गया। घायल सावन व साहिल को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां सावन को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि साहिल का उपचार जारी है। डीएसपी गुलाब सिंह ने बताया कि वारदात की जांच पड़ताल कर रहे हैं। बयान

दर्ज कर जल्द आरोपियों को काबू किया जाएगा।

अंबाला का जर्जर बंगला नंबर 101: दीवारों पर लिखे नंबर, छत पर छिपा किशोर; एक सप्ताह की रेकी के बाद हुआ रेस्क्यू

अंबाला : कैंट के सैन्य क्षेत्र में मॉल रोड पर स्थित बंगला नंबर 101 में शुक्रवार को पुलिस, सेना की खुफिया एजेंसियां पहुंचीं। यहां से वंदे मातरम् दल ने एक 15 वर्षीय किशोर का रेस्क्यू किया। बताया गया है कि यह किशोर मानसिक तौर पर बीमार है और एक साल से इस जर्जर बंगले में छिपकर रह रहा था। वह रात्रि 9 बजे बंगले से निकलता और सड़क पर लोगों से मांगकर अपना पेट भरता था। रात्रि के समय निकलने के कारण अधिक लोगों को इस मामले की जानकारी भी नहीं लग सकी थी। इस दौरान सुरक्षा को लेकर बीसी बाजार चौकी प्रभारी सुखबीर सिंह दल-बल के साथ मौजूद रहे। वंदे मातरम् दल की टीम सुबह लगभग 11 बजे सेना के जर्जर बंगले कमरे में पुलिस की मौजूदगी में अंदर घुसी। टीम ने पहले प्रत्येक कमरे को खंगाला, अंत में टीम एक ऐसे कमरे में पहुंची, जहां छत

पर सीमेंट की स्लैब बनी हुई थी, इसके बाद किशोर को नींद से जगाने के लिए आवाज लगाई गई तो वह कुछ देर बाद नींद से उठा और देखा कि उसके ईद-गिर्द पुलिस सहित काफी लोग खड़े थे, इसके बाद उसे प्यार से समझाकर स्लैब से नीचे उतारा गया और उसके सामान की तलाशी ली गई, हालांकि उसके पास किसी भी तरह का कोई भी संदिग्ध सामान व दस्तावेज बरामद नहीं हुआ। रेस्क्यू टीम को जांच के दौरान स्लैब के नजदीक लिखे कुछ नंबर भी नजर आए जोकि दो व 24 तक लिखे हुए थे। इस अलावा जब टीम किशोर को लेकर जाने लगी तो मुख्य दरवाजे के निकट ही दीवार पर कुछ मोबाइल नंबर भी अंकित थे, जिन्हें अब खुफिया एजेंसियों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया है ताकि इन नंबरों पर संपर्क करके पूछताछ की जा सके। वंदे मातरम् दल के सदस्य भरत ने बताया कि कुछ दिन पहले वह अंबाला छावनी में इसी जगह के नजदीक आए थे और उन्होंने यहां से एक लावारिस आदमी को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया था। इस दौरान उन्हें एक लावारिस किशोर की जानकारी मिली थी, इसके बाद बच्चे तक पहुंचने की योजना तैयार की गई और लगातार एक सप्ताह तक किशोर की रेकी गई ताकि कहीं किसी प्रकार की गलती न हो जाए। रेकी के दौरान वंदे मातरम् दल ने कुछ तथ्य भी जुटाए और स्थानीय लोगों से पूछताछ भी की। इस दौरान सामने आया कि किशोर रात 9 बजे सेना की जर्जर बंगले से बाहर निकलता था। इसके बाद वह मॉल रोड से होते हुए गोल चक्कर तक पहुंचता था और यहां होटल व दुकानों से मांगकर खाना खाता था। इसके बाद घूमने के बाद वह रात एक बजे वापस कोठी में घुस जाता था।

किशोर को वंदे मातरम् टीम ने संरक्षण में लिया है। इस संबंध में एसपी कार्यालय से सहयोग के निर्देश मिले थे। मौके से कुछ भी संदिग्ध वस्तु व दस्तावेज नहीं मिले हैं।

हरियाणा पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती विवाद खत्म, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा पुलिस में सब-इंस्पेक्टर भर्ती से जुड़े एक विवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें चयन प्रक्रिया की उत्तर-कुंजी को चुनौती दी गई थी। जस्टिस जगमोहन बंसल की एकलपीठ ने स्पष्ट कहा कि जब चयन आयोग ने विशेषज्ञों की राय के आधार पर उत्तर-कुंजी तय की है और उसमें कोई स्पष्ट त्रुटि सिद्ध नहीं हुई है, तो अदालत उसमें हस्तक्षेप नहीं करेगी। इस मामले में याचिकाकर्ता अमित ने विज्ञापन संख्या 3/2021 के तहत हुई सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा की तीन प्रश्नों की उत्तर-कुंजी पर सवाल उठाए थे। परीक्षा प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षण, शारीरिक माप और दस्तावेजों की जांच शामिल थी और मेरिट लिखित अंकों, अतिरिक्त योग्यता तथा सामाजिक-आर्थिक

मानदंडों के आधार पर तैयार की जानी थी। अमित ने 26 सितंबर 2021 को हुई लिखित परीक्षा में भाग लिया था। बाद में जारी उत्तर-कुंजी पर आपत्तियां मांगी गई थीं, लेकिन उस समय उसने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई। उसे बाद में चयनित भी कर लिया गया था और उसके कुल अंक 67.20 थे, जिनमें 5 अंक सामाजिक-आर्थिक श्रेणी के थे। बाद में जब शिकायतों के आधार पर दस्तावेजों की जांच हुई तो सामने आया कि अमित के पिता दिल्ली पुलिस में कार्यरत थे, इसके बावजूद उसने शपथ-पत्र देकर यह दावा किया था कि उसके

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती की उत्तर-कुंजी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विशेषज्ञ राय पर आधारित उत्तर-कुंजी में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा,

परिवार में कोई सरकारी कर्मचारी नहीं है। इसी आधार पर उसके 5 अंक काट दिए गए और वह कट-आफ से नीचे चला गया। इसके बाद अमित ने तीन सवालों हरियाणा के पूर्व डीजीपी की मृत्यु, गेहूं बोने का तापमान और अनुच्छेद 370 हटाने की तारीख पर उत्तर-कुंजी को गलत बताते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने कहा कि पहले प्रश्न में आयोग का उत्तर सही है, दूसरे प्रश्न में यह एक तकनीकी विषय है जिसमें विशेषज्ञों की राय को बदला नहीं जा सकता और तीसरे प्रश्न में संसद ने 5 अगस्त 2019 को संशोधन पारित किया था, जबकि राष्ट्रपति की अधिसूचना 6 अगस्त को आई, इसलिए 5 अगस्त को सही माना गया। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए दोहराया कि उत्तर-कुंजी को केवल तब ही बदला जा सकता है जब वह स्पष्ट रूप से गलत सिद्ध हो, अन्यथा चयन संस्था की राय को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। चूंकि अमित की याचिका में ऐसा कोई ठोस आधार नहीं था और उसने स्वयं गलत सामाजिक-आर्थिक लाभ लिया था, इसलिए याचिका खारिज कर दी गई।

डोडा हादसे में बलिदान हुए मोहित चौहान को नम आंखों से सलामी, गावं पहुंचते ही भावुक हुआ माहौल; छोटे भाई ने दी मुखाग्नि

झज्जर। जम्मू-कश्मीर के डोडा में वीरगति को प्राप्त हुए जांबाज सिपाही मोहित चौहान का शनिवार को उनके पैतृक गांव गिजाड़ोध में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। कैप्टन सौरभ कुमार के नेतृत्व में सेना की टुकड़ी ने गगनभेदी गन-फायर कर बलिदानी को अंतिम सलामी दी। छोटे भाई जितेंद्र ने मुखाग्नि देकर भाई की अंतिम यात्रा संपन्न की। जैसे ही सेना का ट्रक पार्थिव शरीर लेकर झज्जर पहुंचा, पूरा शहर 'भारत माता की जय' और 'बलिदानी मोहित अमर रहे' के नारों से गूंज उठा। युवाओं ने तिरंगा यात्रा निकालकर बलिदानी को सलामी दी। गांव पहुंचने पर सेना के अधिकारियों ने बलिदानी के पिता सतपाल चौहान को तिरंगा सौंपा, जिसे देख वहां मौजूद हर आंख नम हो गई। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने भी परिवार को सांत्वना दी। मोहित का विवाह महज एक साल पहले हुआ था। उनकी पत्नी अंजलि, जो ढाई महीने की गर्भवती हैं, पति की शहादत की खबर से बदहवास हैं। अंतिम विदाई के दौरान वे कई बार बेसुध हुईं। मोहित परिवार के पहले सदस्य थे जो अपनी कड़ी मेहनत से फौज में भर्ती हुए थे।

यमुनानगर में तलाकशुदा महिला लव जिहाद की शिकार, नाम बदलकर मुस्लिम युवक ने की शादी; अब झेल रही प्रताड़ना

यमुनानगर। तलाकशुदा 32 वर्षीय महिला के साथ लव जिहाद का मामला सामने आया है। शादीशुदा मुस्लिम युवक ने उसे प्रेम जाल में फंसाकर शादी की। फिर उसका उत्तर प्रदेश के देवबंद में ले जाकर धर्म परिवर्तन करा दिया। आरोपित ने उसे अपने साथ किराये के मकान में रखा। अब उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। उसके साथ मारपीट की जाने लगी। पति व ससुरालियों की प्रताड़ना से तंग आकर उसने पारा निगलकर आत्महत्या का प्रयास किया। उसे स्वामी विवेकानंद अस्पताल में दाखिल कराया। जहां उसका इलाज चल रहा है। मामले में मजिस्ट्रेट ने पीड़िता के बयान लिए। जिसके बाद शहर यमुनानगर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। पीड़िता रूबीना उर्फ रेखा का कहना है कि उसका अपने पहले पति से तलाक हो चुकी है। उसके बाद अलग रह रही थी। वर्ष 2020 में वह निजी कार्य करती थी। इस दौरान अराइयांवाला निवासी फुरकान के संपर्क में आई। फुरकान ने उस समय अपना नाम अजय बताया। आरोपित ने प्रेम जाल में फंसा लिया। कुछ दिन बाद उसके साथ शादी हो गई। शादी के बाद पता लगा कि आरोपित मुस्लिम है। उसने झूठ बोलकर शादी की। आरोपित ने यहां प्रेम नगर में किराये के मकान में अपने साथ रखा। बाद में उसके परिवार के लोग भी यहां पर आकर मिलने लगे। तब पता लगा कि आरोपित पहले से शादीशुदा है। उसके दो बच्चे भी हैं। इस बारे में उससे बात की तो वह मारपीट करने लगा। लगातार घर में कलह रहने लगी। उस पर ससुराल में ले जाकर दबाव बनाया तो वह मारपीट करता। 12 जनवरी से वह लापता हो गया। उसके घर पर गई तो वहां पर उसके भाई कुरबान व बहनों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप लगा दिया कि उसने ही फुरकान को गायब किया है। जब इस मामले में शिकायत देने पुलिस के पास गई। तभी फुरकान का फोन आ गया। जिसके बाद वापस घर आई। यहां पर भी आरोपित ने मारपीट की। रेखा का कहना है कि आरोपित फुरकान ने रेखा से नाम बदलवाकर रूबीना करा दिया। आधार कार्ड बदलवा दिया। आरोपित की पहली पत्नी का नाम भी रूबीना है। इसलिए ही उसने रूबीना नाम बदलवाया। ताकि किसी को पता न लगे। आरोपित उसे अपने साथ देवबंद लेकर गया। जहां उसका धर्म परिवर्तन कराया। उसे बुरका पहना दिया। यहां तक कि हिंदू धर्म से संबंधित फोटो भी आरोपित ने जला दिए। आरोप है कि पहले पति से तलाक के लगभग चार लाख रुपये मिले थे। यह भी आरोपित फुरकान ने ले लिए। इसके अलावा अन्य रिश्तेदारों से भी रुपये लिए हुए हैं। अब वह रुपये भी वापस नहीं कर रहा है। उसके परिवार के लोग अपनाने से इनकार कर रहे हैं। लगातार उनकी मारपीट से परेशान हूं।

यमुनानगर में अवैध खनन रोकने गई टीम पर हमला, ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश, एक आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर : यमुनानगर के कस्बा प्रताप नगर में होने वाला अवैध रूप से खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा। इसी की सूचना जब एनफोर्समेंट को मिली तो एनफोर्समेंट की टीम रात के अंधेरे में पले वाला खनन जोन में पहुंच गई। यहां पर धड़ल्ले से अवैध खनन हो रहा था।नदी से अवैध रूप से रेत निकाल कर ट्रैक्टर-ट्राली में भरकर बाहर भेजा जा रहा था। बाद में जैसे ही एनफोर्समेंट की टीम ने इन रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्राली को रोकने के लिए अपनी गाड़ी को बीच सड़क में खड़ा कर दिया तो खनन माफिया ने रास्ता खुलवाने को लेकर रेत से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली से एनफोर्समेंट की गाड़ी पर टक्कर मार दी। टक्कर से गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई।गाड़ी में बैठे अधिकारी जह बाहर निकले तो ट्रैक्टर चालक ने इन पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया। इस मामले की सूचना मिलते ही प्रताप नगर के एसएचओ अपनी टीम के साथ जब मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रैक्टर चालक को काबू कर लिया और उसका ट्रैक्टर लेकर थाने में पहुंच गए, जबकि रेत से भरी हुई ट्राली को एनफोर्समेंट की टीम ने अपने कब्जे में ले लिया। रात के अंधेरे में एनफोर्समेंट की टीम की भनक लगते ही अब कारण माफिया में हलचल पैदा हो गई। फिलहाल इस हादसे के बाद खनन माफिया पर और भी लगाम लग सकती है।

हरियाणा के इस जिले में फहराया गया 105 फुट ऊंचा तिरंगा , गणतंत्र दिवस से पहले निकाली यात्रा

हांसी(संदीप): हांसी में गणतंत्र दिवस से पहले खउक चौक पर 105 फुट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना की गई। शनिवार को इस अवसर पर शहीद स्मारक से जींद रोड स्थित जेसीआई चौक तक तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। तिरंगा यात्रा में स्कूली बच्चों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंग गया। यात्रा का समापन उस स्थान पर हुआ जहां यह ऊंचा तिरंगा स्थापित किया गया है। इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना ने कहा कि तिरंगा हर भारतीय के दिल में विशेष स्थान रखता है। उन्होंने बताया कि हांसी को जिला बनाए जाने के बाद यह पहला गणतंत्र दिवस है और इतने ऊंचे तिरंगे की स्थापना शहरवासियों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने हांसी को जिला बनाने में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की भूमिका के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

डोडा में शहीद जवान मोहित चौहान पंचतत्व में विलीन, छोटे भाई ने दी मुखाग्नि घर वालों का रो-रोकर बुरा हाल

झज्जर : जम्मू-कश्मीर के डोडा में हुए हादसे में झज्जर जिले के गांव गिजाड़ोद निवासी जवान मोहित के शहीद होने की खबर मिलते ही गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शहीद मोहित भारतीय सेना की 72 आर्मर्ड रेजिमेंट में सिपाही के पद पर कार्यरत थे। वे साल 2020 में सेना में भर्ती हुए थे और वर्तमान में श्रीनगर क्षेत्र में तैनात थे, जहां देश की रक्षा करते हुए उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया। मोहित की निजी जिंदगी भी हाल ही में खुशियों से भरी थी। एक साल पहले उनकी शादी अंजलि से हुई थी और कुछ दिन पहले ही दोनों ने अपनी पहली शादी की सालगिरह भी मनाई थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। मोहित के पिता सतपाल खेती-बाड़ी करते हैं, माता रेखा गृहणी हैं, जबकि छोटा भाई जितेंद्र वाहन चालक का काम करता है। शहीद की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। शहीद मोहित का पार्थिव शरीर जब झज्जर शहर के बाईपास पर पहुंचा, तो गांव और जिले के हजारों युवा काफिले के रूप में उन्हें लेने पहुंचे। देशभक्ति नारों और भारत माता की जय के उद्घोष के साथ काफिला गांव गिजाड़ोद पहुंचा। गांव में पार्थिव शरीर पहुंचते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। गांव की पंचायती जमीन पर राजकीय सम्मान के साथ शहीद मोहित का अंतिम संस्कार किया गया। छोटे भाई जितेंद्र ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान भारत माता की जय के नारों के बीच ग्रामीणों ने नम आंखों से अपने लाडले बेटे को अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में भाजपा की राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, बादली विधायक कुलदीप वत्स के बड़े भाई ईश्वर वत्स सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि झज्जर वीरों की भूमि है और मोहित की शहादत पर पूरे देश को गर्व है।

डांट की जगह प्यार, मोबाइल की जगह पढ़ाई...

नया साल सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि पेरेंट्स के लिए भी आत्ममंथन का समय होता है। अगर माता-पिता कुछ अच्छे रेज़ोल्यूशन्स अपनाएं, तो बच्चों की परवरिश और भविष्य दोनों बेहतर बन सकते हैं। आज के समय में परफेक्ट पेरेंट नहीं, प्रेज़ेंट पेरेंट बनना ज़रूरी है। जब माता-पिता बदलते हैं, तो बच्चे खुद-ब-खुद बेहतर बनते हैं।

बच्चों को समय देने का रेज़ोल्यूशन

आज की भागदौड़ में सबसे ज़्यादा कमी क्वालिटी टाइम की होती है। रोज़ कम से कम 30 मिनट बिना मोबाइल बच्चों के साथ बिताएं, उनकी बातें ध्यान से सुनें। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चे देखकर सीखते हैं। खुद का स्क्रीन टाइम कम करें, खाने और बात करते समय मोबाइल दूर रखें। इससे बच्चों में डिजिटल लत से बचाव होगा

हेल्दी खानपान की आदत खुद अपनाएंगे

जंक फूड कम करें। घर के खाने को प्राथमिकता दें। बच्चा भी वही खाएगा जो माता-पिता खाते हैं। उन्हें नेचर से जोड़ें। बच्चों को कृतज्ञता, विनम्रता सिखाने से अच्छे संस्कार विकसित होते हैं

बच्चों की नींद को प्राथमिकता देंगे

इस बात का प्रण लें कि देर रात मोबाइल/टीवी की आदत नहीं फिक्स स्लीप रूटीन अपनाएंगे। इससे बच्चे की ग्रोथ, इम्युनिटी और पढ़ाई पर असर पड़ता है। उनकी फीलिंग्स को नज़रअंदाज ना करें ,डर, गुस्सा, उदासी पर खुलकर बात करें। इससे बच्चा इमोशनली मजबूत बनता है

तुलना करना बंद करेंगे

किसी और बच्चे से अपने बच्चे की तुलना ना करें। बच्चे की यूनिक पहचान को स्वीकार करेंगे। इससे मेंटल प्रेशर और हीन भावना नहीं आती। बच्चे को नंबर से ज्यादा सीखाने पर फोकस करें। गलती पर डांट नहीं, समझाएं, इससे सीखने का डर खत्म होता है। सिर्फ सख्ती नहीं प्यार और नियम दोनों का संतुलन। इससे बच्चा बात छुपाने की बजाय शेयर करना सीखेगा।

सर्दी में नवजात शिशु की कैसे करें देखभाल?

सर्दियों में सेहत का ध्यान बहुत रखना पड़ता है. छोटे हों या फिर बड़े इस मौसम में हर कोई सर्दी-खांसी और मौसमी बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है. ऐसे में नवजात शिशु की देखभाल तो बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि उनकी त्वचा और शरीर अभी भी विकसित हो रहे होते हैं. हैदराबाद के यशोदा हॉस्पिटल्स में कंसल्टेंट पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट, डॉ. एन. वर्षा मोनिका रेड्डी ने बताया कि सर्दी के मौसम में न्यूबॉर्न बेबी की देखभाल करने के लिए क्या करना चाहिए.

बच्चे की सेफ्टी

कमरे के तापमान के लिए आदर्श रेंज 20-22एष्ट (68-72एस्र) है. दम घुटने के जोखिम को कम करने के लिए, ढीली रजाई की जगह स्लीप बैग या पहनने वाली कंबल का इस्तेमाल करें. बच्चे को पालने में पीठ के बल लिटाएं, जिसमें तकिए, बंपर या भारी कंबल बिल्कुल न हों. बाहर उनके सिर, हाथों और पैरों को ढकें. घर के अंदर टोपी की जरूरत नहीं है जब तक कि जगह हवादार न हो.

हाइड्रेशन और मॉइश्चराइजेशन

सर्दियों में मौसम में इस बात का ध्यान दें कि आपका बच्चा अच्छी तरह से हाइड्रेटेड और मॉइस्चराइज्ड रहें. न्यूबॉर्न बच्चों को हर दो से तीन दिन में गुनगुने पानी और पेट्रोलियम जेली जैसी खुशबू रहित चीजों से नहलाना चाहिए, क्योंकि ठंडी हवा उनकी नाजुक त्वचा को डिहाइड्रेट कर देती है, जिससे दरारें या डर्मेटाइटिस हो सकता है. बच्चों को अतिरिक्त पानी की जरूरत नहीं होती है, इसलिए उन्हें नियमित रूप से फॉर्मूला या ब्रेस्ट मिल्क देते रहें. डिहाइड्रेशन के संकेतों के लिए गीले डायपर चेक करें, हर दिन कम से कम छह डायपर बदलने की कोशिश करें.

इम्यूनिटी बढ़ाएं

सर्दियों में फ्लू और आरएसवी जैसे वायरस आते हैं. ऐसे में ध्यान रखें कि आपके बच्चे के टीकाकरण पूरे हों, जिसमें छह महीने की उम्र से फ्लू का टीका भी शामिल है. मेहमानों को सीमित करें, खासकर जिन्हें सर्दी-जुकाम हो और सुनिश्चित करें कि वे अपने हाथ धोएं. हीटर से होने वाली सूखी इनडोर हवा से लड़ने और कंजेशन और खांसी को कम करने के लिए, कूल-मिस्ट ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें.

बाहर जाने के लिए जरूरी चीजें

अगर ज्यादा ठंड नहीं है, तो छोटी-मोटी सैर की जा सकती है. अगर हवा चल रही है या प्रदूषण है, तो बाहर न जाएं.

परेशानी के संकेत?

सुस्ती, ठीक से खाना न खाना, बुखार या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत हॉस्पिटल जाना जरूरी है.

बच्चों के बचपन में पेरेंट्स को भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ये 5 गलतियां

हर माता-पिता अपने बच्चे की खुशी के लिए अच्छी से अच्छी परवरिश करना चाहते हैं. लेकिन कई बार कुछ सिखाने और लाड-प्यार के कारण पेरेंट्स जाने-अनजाने कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो बच्चे के भविष्य पर काफी ज्यादा नेगेटिव असर डालती है. हर मां-बाप को ध्यान रखना चाहिए कि एक बच्चे का बचपन ही उसके पूरे जीवन की नींव होता है. इस दौरान की गई छोटी से छोटी लापरवाही बच्चे के फ्यूचर पर मानसिक और भावनात्मक रूप से नेगेटिव प्रभाव डाल सकती है. ऐसी गलतियों से बच्चों का आत्मविश्वास टूट सकता है और वे डरपोक भी बन सकते हैं. इसी कड़ी में आज हम आपको 5 ऐसी पेरेंटिंग गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो माता-पिता अक्सर करते हैं. इन गलतियों से बच्चों को बड़े होकर काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.

बड़े होकर हो सकती हैं कई परेशानियां

1. दूसरों से तुलना

कई बार जब बच्चों की पढ़ाई या खेल-कूद में अच्छी परफॉर्मेंस नहीं रहती है तो पेरेंट्स दूसरे बच्चों से तुलना करते हैं. इससे बच्चे खुद को दूसरों से काफी कम समझना शुरू कर देते हैं, जो कि काफी गलत है. इससे बच्चों का कॉन्फिडेंस भी टूट सकता है. ऐसे में दूसरों से तुलना करने की जगह आप बच्चों की तारीफ और प्रोत्साहित करें.

2. हमेशा कंट्रोल करने की आदत

कई माता-पिता अपने बच्चों को छोटी-छोटी चीजों पर काफी ज्यादा टोकते हैं या फिर उन्हें कंट्रोल करना शुरू कर देते हैं. हालांकि बच्चों को सीखाना और गलतियों पर समझाना भी काफी जरूरी होता है. लेकिन बार-बार एक ही चीज को लेकर कंट्रोल करने से उनकी डिसीजन लेने की क्षमता काफी कमजोर हो सकती है. ऐसे में बच्चों को दूसरों पर निर्भर रहने की आदत पड़ जाती है.

3. प्यार न दिखाना

अक्सर पेरेंट्स ये सोचते हैं कि ज्यादा लाड-प्यार दिखाने से बच्चा बिगड़ सकता है या फिर गलत फायदा उठा सकता है. लेकिन सच्चाई ये है कि मां-बाप के प्यार दिखाने से बच्चे खुद को मानसिक रूप से मजबूत और सुरक्षित महसूस करते हैं. ऐसे में आप बच्चों के बचपन में उन्हें प्यार दिखाने में बिल्कुल भी कंजूसी न करें.

4. बच्चों की फीलिंग्स को न समझना

छोटे बच्चे अक्सर छोटी-छोटी बातों पर रोना शुरू कर देते हैं और इसपर पेरेंट्स उन्हें डांट देते हैं कि इतनी छोटी बात पर रो क्यों रहे हो? पेरेंट्स का ये व्यवहार बच्चों पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है. इससे वे अपने इमोशन्स दबाना सीख जाते हैं और छोटी से लेकर बड़ी बातों को माता-पिता से छिपाना शुरू कर देते हैं. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों की फीलिंग्स समझना काफी जरूरी है.

5. परफेक्शन की चाहत

हर मां-बाप चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई से लेकर खेल तक हर फील्ड में टॉप परफॉर्मर रहे. लेकिन कई बार परफेक्शन का दबाव बच्चों में फेल होने का डर बढ़ा देता है. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों पर परफेक्शन का दबाव बनाने से बचना चाहिए.

जो भी पढ़ेंगे सब रहेगा याद बस पढ़ाई से पहले बच्चों को पिलाएं ये ब्रेन बूस्टिंग शेक

अक्सर माता-पिता की शिकायत होती है कि बच्चे पढ़ाई तो करते हैं, लेकिन उन्हें याद नहीं रहता। इसकी एक बड़ी वजह कमजोर याददाश्त और कम एकाग्रता हो सकती है। ऐसे में बच्चों की डाइट में सही पोषण शामिल करना बहुत जरूरी है। सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट राजमनी पटेल ने एक आसान और हेल्दी ब्रेन बूस्टिंग शेक की रेसिपी शेयर की है, जिसे पढ़ाई से पहले पीने पर बच्चों की मेमोरी और फोकस बेहतर हो सकता है।

क्या है ब्रेन बूस्टिंग शेक?

यह शेक पूरी तरह नेचुरल चीजों से बनाया जाता है, जो दिमाग को एक्टिव रखने, याददाश्त मजबूत करने और पढ़ाई के समय ध्यान बढ़ाने में मदद करता है। इसे सुबह नाश्ते में या शाम को पढ़ाई से पहले दिया जा सकता है।

ब्रेन बूस्टिंग शेक की सामग्री

1 पका हुआ केला
5-6 अखरोट (भीगे हुए)
1 गिलास दूध
1 चम्मच शहद या 1-2 खजूर
1 चुटकी दालचीनी पाउडर

कैसे बनाएं यह शेक?

सबसे पहले अखरोट को रातभर या कम से कम 4-5 घंटे पानी में भिगो दें। अब ब्लेंडर में केला, भीगे हुए अखरोट, दूध और शहद या खजूर डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह ब्लेंड करें, जब तक शेक स्मूद और क्रीमी न हो जाए। अंत में ऊपर से थोड़ा दालचीनी पाउडर डालें और शेक तैयार है। इसे ठंडा या सामान्य तापमान पर पिलाया जा सकता है।

क्यों है यह शेक बच्चों के लिए फायदेमंद?

केला बच्चों को तुरंत ऊर्जा देता है और दिमाग को फोकस करने में मदद करता है। अखरोट में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट याददाश्त और सीखने की क्षमता बढ़ाते हैं। दूध प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन B12 से भरपूर होता है, जो दिमाग और नर्वस सिस्टम को मजबूत बनाता है। दालचीनी ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करती है, जिससे ब्रेन ज्यादा एक्टिव रहता है।

किन बातों का रखें ध्यान?

अगर बच्चे को लैक्टोज इनटॉलरेंस है, तो दूध की जगह बादाम या ओट्स मिल्क इस्तेमाल करें। अखरोट ज्यादा मात्रा में न डालें, वरना पेट फूलने की समस्या हो सकती है। इस शेक को रात में देर से न दें, क्योंकि इससे भारीपन महसूस हो सकता है। यह ब्रेन बूस्टिंग शेक बच्चों के लिए एक हेल्दी और आसान विकल्प है, जो पढ़ाई से पहले देने पर उनकी याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने में मदद कर सकता है। हालांकि, किसी भी हेल्थ रेसिपी को नियमित रूप से अपनाने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर होता है।

छोटे बच्चों को चाय और कॉफी देना कितना सही है

घर पर हर कोई सुबह उठते ही चाय-कॉफी पीता है, जो बच्चे अपने माता-पिता को रोज घर पर चाय-कॉफी पीते देखते हैं, उनमें भी इसे पीने की इच्छा जागती है. वे चाय-कॉफी मांगने भी लगते हैं. एक्सपर्ट के अनुसार, चाय-कॉफी बड़ों की हेल्थ के लिए अच्छी नहीं होतीं, क्योंकि इनमें कैफीन की मात्रा अधिक होती है. चाय में टैनिन नामक पदार्थ होता है. यह हमारे शरीर को भोजन से आयरन को अवशोषित करने से रोकता है. ऐसे में अगर बच्चों को ऐसी चीजें दें, तो क्या होगा? चलिए आपको बताते हैं बच्चों को चाय और कॉफी देना कितना सही है.

छोटे बच्चों को चाय और कॉफी दें तो क्या होगा?

एक्सपर्ट के अनुसार, दस साल से कम उम्र के बच्चों को गलती से भी चाय और कॉफी नहीं देनी चाहिए. यह उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है. इनका शारीरिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है, ये बच्चों के पाचन तंत्र को भी प्रभावित करते हैं. चाय और कॉफी में कैफीन होता है, जो पेट में अन्य पोषक तत्वों के अवशोषण को रोकता है. इससे बच्चों का शारीरिक विकास धीमा हो जाता है.

नींद की समस्या

चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन मानसिक सतर्कता को सीधे प्रभावित कर सकता है. इससे नींद का सामान्य चक्र बिगड़ सकता है. आपके बच्चे दिन में या शाम को चाय पीते हैं, तो इससे उनकी नींद में खलल पड़ सकता है. इससे नींद संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं.

हार्ट हेल्थ

चाय और कॉफी बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक सभी के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं. चाय में मौजूद कैफीन हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है.

डिप्रेशन

कैफीन डिप्रेशन को बढ़ाने के लिए पर्याप्त है. चाय और कॉफी शरीर में कैफीन के मुख्य स्रोत हैं. चाय पीने से चिंता, अवसाद और तनाव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं. आपके बच्चे भी चाय पीते हैं, तो उन्हें भी इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.

अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली में असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना की धुरंधर फिल्म में रहमान डकैत का किरदार बहुत शानदार रहा। इस रोल के बाद वह फिर से चर्चा में आ गए हैं। अब फैंस धुरंधर पार्ट 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें अक्षय फ्लैशबैक में नजर आ सकते हैं। धुरंधर की सफलता के बाद कई फिल्ममेकर उन्हें अपनी फिल्मों में अक्षय को लेना चाहते हैं। लेकिन अक्षय ने अभी अपनी अगली हिंदी फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। फिलहाल, वह अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस पौराणिक फिल्म में अक्षय असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं और यह प्रशांत वर्मा के सिनेमाई ब्रह्मांड का हिस्सा है। फिल्म में मुख्य भूमिका भूमि शेट्टी निभा रही हैं। अक्षय का शुक्राचार्य वाला पहला लुक पहले ही जारी हो चुका है, जिसमें वे लंबी सफेद दाढ़ी और प्रभावशाली लुक में दिख रहे हैं। यह लुक देखकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। कथित तौर पर महाकाली 2026 में रिलीज हो सकती है।

अक्षय की फिल्में

धुरंधर की आपार सफलता के बाद अक्षय को कई बड़े ऑफर मिल रहे हैं। उन्होंने दृश्यम 3 को छोड़ दिया है, जिसमें वे पहले जांच अधिकारी का रोल निभा चुके हैं। 2025 में अक्षय ने छावा में औरंगजेब का किरदार और धुरंधर में रहमान डकैत के किरदार में खूब वाहवाही बटोरी। फैंस अब अक्षय को बड़े पर्दे पर दोबारा देखने के लिए उत्सुक हैं!

भूमि ने बताया 'द रॉयल्स' के बाद क्यों लिया था एक्टिंग से नौ महीने का ब्रेक

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'दलदल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच भूमि पेडनेकर ने बताया कि पिछले साल आई 'द रॉयल्स' में उनकी एक्टिंग को लेकर हुई आलोचना ने उन्हें काफी प्रभावित किया। इससे प्रभावित होकर एक्ट्रेस ने नौ महीने का लंबा ब्रेक ले लिया। अब इस ब्रेक के बाद भूमि 'दलदल' से वापसी कर रही हैं। एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने बिना किसी घोषणा के ब्रेक लिया था।

'द रॉयल्स' की आलोचना ने ब्रेक लेने पर किया मजबूर

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे बहुत ट्रोल किया गया। लेकिन इन सबके बीच बहुत सारी क्रिएटिव आलोचना भी हुई। इस सबने मुझे 2025 में अपने जीवन के लिए कुछ बहुत बड़े फैसले लेने के लिए प्रेरित किया। उनमें से एक ब्रेक लेना था। मैंने इसकी घोषणा नहीं की क्योंकि मैं इसे नाटकीय नहीं बनाना चाहती थी। दम लगा के हैशा के बाद से मैं लगातार 10 साल से अभिनय कर रही हूं। उस किरदार के लिए भूमि ने 30 किलो वजन बढ़ाया था और तब से अपने किरदारों के लिए शारीरिक परिवर्तन करना उनका निरंतर प्रयास रहा है। एक्ट्रेस ने कहा कि यह सिर्फ शारीरिक बदलाव के बारे में नहीं है। यह इस बारे में भी है कि आप किसी किरदार की तैयारी करते समय भावनात्मक और मानसिक रूप से किन-किन चीजों से गुजरते हैं।

जून से किसी सेट पर नहीं गई

भूमि ने बताया कि इन आलोचनाओं से मैं भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थी। मैं एक अभिनेत्री के रूप में, एक इंसान के रूप में, भूमि के रूप में अपनी पहचान पूरी तरह खो चुकी थी। इसलिए मुझे पीछे हटना पड़ा। मैंने ब्रेक लिया। जून से मैं किसी सेट पर नहीं गई हूं। कई बार जब कोई कलाकार ऐसा स्वीकार करता है, तो इसे निगेटिव तरीके से देखा जाता है। लेकिन यह मैंने अपनी इच्छा से किया था। यह मेरे लिए सबसे अच्छा फैसला है।

कई फिल्में ठुकराई और अवॉर्ड्स फंक्शन को किया मना

अब नौ महीने बाद मार्च में अपने पहले कोर्टरूम ड्रामा के साथ सेट पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने कहा यह महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा झेली जाने वाली यौन हिंसा के बारे में है। यह एक थिएटर फिल्म है। मैं पिछले दो महीनों से इस पर काम कर रही हूं। मैं फिल्म सेट पर जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। ब्रेक के दौरान मैंने फिल्में छोड़ दीं। मुझे साइनिंग अमाउंट वापस करने पड़े। मुझे कई चेक ठुकराने पड़े, जो कि बहुत बड़ी रकम होती है। बात सिर्फ फिल्में न करने की नहीं थी, बल्कि मैंने पब्लिक अपीयरेंस भी कम कर दी। मुझे कई अवॉर्ड शो और फैशन इवेंट्स को मना करना पड़ा। मैं बस सबसे अलग होना चाहती थी। मैं यह अनुभव करना चाहती थी कि अकेले रहना कैसा लगता है। अगर मैं सब कुछ खो दूं, तो क्या मैं जीवित रह पाऊंगी? मुझे पता है कि मैं जीवित रह पाऊंगी।

खुद से किए सवाल, ब्रेक लेना सही फैसला

अपने ब्रेक के बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि मेरे पास अब कोई वास्तविक अनुभव नहीं बचा था, जिसे मैं अपने अभिनय में इस्तेमाल कर सकूं। मेरा सबसे बड़ा डर हमेशा यही रहा है कि मैं कभी भी औसत दर्जे की अभिनेत्री नहीं बनना चाहती। मुझे लगता है कि मैं उस मुकाम तक पहुंच चुकी थी। मेरे लिए इसे स्वीकार करना और इससे मुंह न मोड़ना महत्वपूर्ण था। क्योंकि मैं जानती हूं कि मैं क्या कर सकती हूं। मैं खोई हुई थी, इसलिए मैंने अपने कुछ पुराने काम देखे। मैं सोच रही थी, क्या मैं सच में अभिनय कर सकती हूं? क्या मुझमें वह क्षमता है? हर अभिनेता के लिए उस दायरे से बाहर निकलना बहुत ज़रूरी है। उस अनुभव ने मुझे झकझोर दिया। मैं बहुत खुश हूं कि लोगों ने द रॉयल्स देखा। इससे कुछ अच्छा नतीजा निकला। लेकिन सबसे अच्छी बात यह हुई कि मैं भूमि से एक इंसान के तौर पर और एक अभिनेत्री के तौर पर फिर से जुड़ पाई।

पुलिस अधिकारी के किरदार में 'दलदल' में आएंगी नजर

फिलहाल अपनी फिल्म से पहले भूमि क्राइम-थ्रिलर शो दलदल में नजर आएंगी। इसमें वो मुंबई की एक पुलिस अधिकारी रीता फरेरा के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने द रॉयल्स की शूटिंग खत्म करने के तुरंत बाद इस सीरीज की शूटिंग शुरू की थी। आदित्य रावल और समारा तिजोरी भी इस शो में हैं। दलदल का निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है और यह 30 जनवरी को प्राइम वीडियो इंडिया पर रिलीज होगा।

प्रियंका चोपड़ा ने बहन मीरा चोपड़ा की डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म गांधी टॉक्स की सराहना की

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी बहन मीरा चोपड़ा की डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म गांधी टॉक्स के टीज़र को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए खुलकर सराहना की है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर टीज़र शेयर करते हुए इसे 'अमेजिंग' बताया, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता और भी बढ़ गई है। प्रियंका का यह समर्थन न सिर्फ बहन के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है, बल्कि मीरा के कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की ओर बढ़ाए गए साहसी कदम की सराहना भी करता है। किशोर बेलेकर के निर्देशन में बनी गांधी टॉक्स एक मूक (साइलेंट) और ध्यानात्मक फिल्म है, जिसे इसकी अनोखी कहानी कहने की शैली सबसे खास बना देती है। यह फिल्म संवादों के बजाए विजुअल्स, अभिनय और भावनाओं के माध्यम से अपनी बात कहती है, जो दर्शकों को एक गहरे और आत्ममंथन भरे अनुभव में ले जाती है। फिल्म से जुड़े होने पर ऑस्कर विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान ने भी इसकी अनूठी सोच और विज़न की सराहना की है। रहमान का समर्थन फिल्म की भावनात्मक गहराई और सादगी को और मजबूती देता है तथा इसके रचनात्मक दृष्टिकोण की पुष्टि करता है। मीरा चोपड़ा के प्रोडक्शन हाउस पिंकमून मेटा स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी यह फिल्म, निर्माता के रूप में उनके करियर की एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। इस फिल्म में विजय सेतुपति, अदिति राव हैदरी और अरविंद स्वामी जैसे दमदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएँगे।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका है द 50

फराह खान के रियलिटी शो द 50 का प्रीमियर 1 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस शो को वह खुद को चुनौती देने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का बड़ा मौका मानती हैं। रिद्धि डोगरा हमेशा मुश्किलों से सीखकर आगे बढ़ने में यकीन रखती हैं। उनके अनुसार, एक एक्टर के तौर पर वह लगातार कुछ न कुछ सीखने में विश्वास रखती हैं और खुद को उन दायरों से बाहर निकालने के तरीके तलाशती हैं, जहां एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। वह कहती हैं, एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा सीखने और खुद को उस दायरे से बाहर निकालने के नए तरीके ढूंढती रहती हूं, जिसमें एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। रिद्धि इस शो को एक खास चैलेंज के रूप में देख रही हैं, जो उन्हें नई जगहों की खोज करने का मौका देगा।

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की 'तू या मैं' का ट्रेलर रिलीज

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की आगामी फिल्म 'तू या मैं' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो इन्फ्लुएंसर्स और एक मगरमच्छ के इर्द-गिर्द घूमती है, जो उनके एक अप्रत्याशित कोलैबरेशन के बीच आ जाता है। ट्रेलर की शुरुआत में एक हाथ खून भरी मांग (1988) की वीसीआर टेप चुनता है। रेखा को मगरमच्छों से भरे पानी में फेंके जाने का पॉपुलर सीन फ्लैट स्क्रीन टीवी पर चलता है।

इसी सीन के बीच में नालासोपारा के गली रैपर मारुति कदम उर्फ आला फ्लोपारा (आदर्श) और एक हाई-क्लास इन्फ्लुएंसर अवनी शाह उर्फ मिस वैनिटी (शनाया) की एंट्री होती है। दोनों मिलते हैं, एक-दूसरे से बातचीत करते हैं और एक कोलैबरेशन के लिए शहर से बाहर जाने का फैसला करते हैं। लेकिन जल्द ही वे खुद को एक सुनसान स्विमिंग पूल में मगरमच्छ से लड़ते हुए पाते हैं। ट्रेलर में कई हैरान कर देने वाले सीन हैं। मारुति और अवनी उस मगरमच्छ से बचने के तरीके खोजने की कोशिश करते हैं।

इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने पर भावुक हुईं रानी मुखर्जी, किए कई खुलासे

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को दस्तक देगी। इसकी रिलीज से पहले अभिनेत्री ने हाल ही में खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर, फैसलों और सीखों को लेकर खुलकर बात की।

16 साल की उम्र में फिल्म का ऑफर मिला और मैं डर गई थी

30 साल बाद आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे खुद हैरानी होती है कि मेरी जर्नी कितनी अलग रही है। पहली बार जब मुझे फिल्म जुगल हंसराज के अपोजिट आ गले लग जा का ऑफर मिला, तब मेरी उम्र सिर्फ 16 साल थी। उस वक्त मैं दसवीं क्लास में पढ़ती थी और सच कहूं तो मुझे यह सुनकर झटका लगा था। मैंने सलीम अंकल से कहा भी था कि आप ये क्या कह रहे हैं।

उस दौर में फिल्मों में आना कोई सुरक्षित या सम्मानजनक करियर नहीं था

उस समय फिल्म इंडस्ट्री का माहौल आज जैसा बिल्कुल नहीं था। फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना जाता था। यह ऐसा पेशा नहीं था, जिसे कोई परिवार खुशी-खुशी अपनाए। आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज हर कोई अभिनेता बनना चाहता है और परिवार भी पूरा साथ देता है, लेकिन तब ऐसा नहीं था।

'मम्मी ने कहा था, मौका मिले तो कभी मना मत करना'

जब मैं बारहवीं में आई, तब मुझे राजा की आएगी बारात का ऑफर मिला। मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए स्वीकार की, क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा था कि मौका कभी छोड़ना नहीं चाहिए। लेकिन मजेदार बात यह है कि जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया, तो मेरी मम्मी खुद निर्माता सलीम अंकल के पास जाकर कह आई थीं कि मेरी बेटी बहुत खराब है, इसे मत लीजिए, इसे कुछ नहीं आता। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

चाह थी कि माता-पिता एक बेहतर जिंदगी दे सकूं

मैं शुरू से ही थोड़ी अलग रही हूं। लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका असर मुझ पर ज्यादा नहीं पड़ता था। मेरी मम्मी ने साफ कहा था कि अगर कुछ करना है, तो पूरे विश्वास के साथ करो। उस वक्त मेरा सबसे बड़ा फोकस मेरे माता-पिता थे। मैंने उनकी जिंदगी का स्ट्रगल देखा था, इसलिए बस यही चाह थी कि उन्हें एक बेहतर जिंदगी दे सकूं। उसी सोच में मेरे करियर के शुरुआती साल निकल गए।

पैसे भी नहीं होते थे लेकिन सपने बहुत होते थे

पहले हालात ऐसे नहीं थे कि हम किसी अच्छे रेस्तरां में जाकर खाना खा सकें। आज वो आजादी है। कई बार ऐसा भी हुआ कि पैसे होने के बावजूद हम पहले अपने अपनों के लिए लेते हैं, अपने लिए नहीं। लेकिन आज जब पीछे देखती हूं, तो लगता है कि जिंदगी ने धीरे-धीरे मेरी वो सारी छोटी अधूरी इच्छाएं पूरी की हैं।

पहले मेरे माता पिता जो कहते वहीं करती .. लेकिन फिर नहीं

साथिया से करीब आठ महीने पहले तक मेरी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली थीं। उस वक्त सोशल मीडिया नहीं था। लोग चिट्ठियां लिखते थे। मुझे बहुत सारी चिट्ठियां आती थीं। मेरे डैडी कहते थे कि इन्हें पढ़ो और समझो कि लोग क्या कहना चाहते हैं। उन चिट्ठियों में सिर्फ प्यार नहीं होता था, बल्कि ईमानदार राय भी होती थी। तब तक मैं अपने फैसले खुद नहीं ले रही थी। जो मेरे माता-पिता कहते थे, वही करती थी। लेकिन उसी वक्त मैंने तय किया कि अब मुझे खुद सोचकर फैसले लेने होंगे। मैंने मम्मी-पापा से कहा कि कुछ समय तक मैं कोई फिल्म साइन नहीं करना चाहती।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।